केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :47 अंक 50 सोमवार 8 सितम्बर 2025 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

अंकित पाण्डेय का रक्षा मंत्रालय में चयन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। विशेश्वरगंज बाजार के निकट स्थित रामनगर गांव निवासी श्याम प्रकाश पाण्डेय के पुत्र नाम अंकित पाण्डेय का चयन रक्षा मंत्रालय भारत सरकार में उप मंडल अधिकारी पद पर हुआ है। अंकित पाण्डेय अपनी सफलता का श्रेय परिजनों और गुरूजनों को देते हैं। कहा कि वे पूरी निष्ठा से अपने दायित्वों का पालन करेंगे।

वरिष्ठ पत्रकार अनिल कुमार श्रीवास्तव की पुण्य तिथि पर आयोजन 18 को

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । पूर्वांचल के वरिष्ठ पत्रकार स्व0 अनिल कुमार श्रीवास्तव की पाचवीं पुण्य तिथि 18 सितम्बर दिन गुरूवार को बस्ती प्रेस क्लब के सभागार मे मनायी जायेगी। यह जानकारी देते हुए प्रेस क्लब अध्यक्ष विनोद कुमार उपाध्याय ने

बताया है की पूर्वांचल के वरिष्ठ पत्रकार स्व0 अनिल कुमार श्रीवास्तव की पांचवीं पुण्य तिथि प्रेस क्लब सभागार मे 18 सितम्बर को समारोह पूर्वक मनायी जायेगी। श्री श्रीवास्तव ने पत्रकारिता के साथ–साथ समाज सेवा और पर्यावरण के क्षेत्र मे ऐतिहासिक कार्य किया है।उनकी स्मृति मे स्वास्थ्य

कैम्प एंव रक्तदान शिविर का भी आयोजन किया जायेगा। इसके साथ–साथ कई जगहों पर पौध रोपण और वृद्वा आश्रम में फल वितरण किया जायेगा। जिसकी तैयारी तेजी से चल रही है।

कांग्रेस नेता बसन्त चौधरी की माता, अवधेश सिंह के पत्नी के निधन पर शोक

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कांग्रेस श्रम प्रकोष्ठ की प्रदेश महासचिव मंजू पाण्डेय ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रामनगर विकास खण्ड के छितिरगांवा निवासी बसन्त चौधरी एवं कांग्रेस जिलाध्यक्ष विश्वनाथ चौधरी की माता 85 वर्षीया कौशिल्या देवी के निधन पर शोक व्यक्त किया है। कौशिल्या देवी अपने पीछे भरा पूरा परिवार छोड़ गई है।

इसी क्रम में उन्होने महसो कस्बा के पूरब टोला निवासी कांग्रेस नेता अवधेश सिंह की धर्म पत्नी मीना सिंह के निधन पर शोक व्यक्त करते हुये श्रद्धा सुमन अर्पित किया है। वे अपने पीछे एक पुत्र छोड़ गई है। मंजू पाण्डेय ने दोनों दुःखी परिवारों को ढाढस बधाते हुये कहा कि परिजनों को खो देना दुःखी तो करता है किन्तु नियति के आगे हम सब बेबश हैं।

मोटरसाईकिल की चोरी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । बस्ती कचेहरी से एक और मोटरसाइकिल चोरी का मामला सामने आया है। लालगंज थाना क्षेत्र के हथियांव कला निवासी अंकित साहनी की अपाची बाइक पीडब्ल्यूडी सीमा से चोरी हो गई। घटना 6 सितंबर 2025 की है। अंकित अपने मित्र की अपाची बाइक (UP 51 AH 5311) लेकर कचेहरी में तारीख देखने गए थे।

कार्यशाला में सबसे पीछे बैठे पीएम मोदी

नई दिल्ली (आभा)। भाजपा सांसदों की दो दिवसीय कार्यशाला रविवार को संसद परिसर में शुरू हुई। उपराष्ट्रपति चुनाव से पहले इस कार्यशाला का शुभारंभ हुआ, जिसमें पीएम मोदी सहित भाजपा के सभी सांसद शामिल हुए। इस दौरान पीएम मोदी का अनोखा अंदाज एक बार फिर देखने को मिला। वह बैठक में एक साधारण सांसद की तरह सबसे पीछे बैठे नजर आए। अब उनकी तस्वीर सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है।

रविवार सुबह शुरू हुई इस कार्यशाला में भाजपा सांसदों ने पीएम मोदी को जीएसटी सुधारों के लिए बधाई दी। इसके बाद सभी सांसदों को उपराष्ट्रपति चुनाव से जुड़ी जानकारी दी गई। इस दौरान पीएम मोदी सबसे पीछे की पंक्ति में एक आम सांसद की तरह बैठे दिखे। गोरखपुर सांसद रवि किशन ने इसकी तस्वीर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा की और लिखा कि सांसदों की कार्यशाला में आखिरी पंक्ति में बैठे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी। यही है भाजपा की ताकत। यहां हर कोई कार्यकर्ता है।

इससे पहले, जीएसटी में ऐतिहासिक सुधारों के लिए भाजपा सांसदों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अभिनंदन और सम्मान किया। इस मौके पर जगदंबिका पाल ने जीएसटी सुधारों की सराहना करते हुए कहा कि पीएम मोदी ने जीएसटी को लेकर एक बड़ा फैसला लिया, जो अंतरराष्ट्रीय टैरिफ के दबाव का विकल्प है। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि पहले विपक्ष जीएसटी को 'गब्बर सिंह टैक्स' कहता था, और अब वे इसका श्रेय लेने की कोशिश कर रहे हैं। पूरा देश उनकी सच्चाई जानता है।

बता दें कि इस दो दिवसीय कार्यशाला का उद्देश्य विधायी कौशल, शासन रणनीतियों और राजनीतिक संचार पर ध्यान देना है। नेताओं ने केंद्र सरकार के विकास एजेंडे को आगे बढ़ाने और विपक्ष का मुकाबला करने के तरीकों पर चर्चा की। रविवार को सांसद पूरे दिन की कार्यशाला में शामिल हुए। सोमवार को भी तीन घंटे का एक और सत्र निर्धारित है।बता दें कि उपराष्ट्रपति चुनाव 9 सितंबर को होगा।

जापान के प्रधानमंत्री ने इस्तीफा दिया

टोक्यो (आभा)। जापान के प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। इशिबा ने सत्तारूढ़ लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी में फूट से बचने के लिए यह कदम उठाया। जापानी मीडिया ने इसकी पुष्टि की है। दरअसल, इशिबा की गठबंधन सरकार जुलाई में हुए ऊपरी सदन (हाउस ऑफ काउंसलर्स) के चुनाव में हार गई थी। इसके लिए इशिबा ने हाल ही में माफी मांगी थी और कहा था कि वह इस्तीफे पर विचार करेंगे। गौरतलब है कि चुनावी हार के बाद एलडीपी में 'इशिबा को हटाओ' आंदोलन जोर पकड़ गया था। पार्टी के कुछ नेताओं और सांसदों ने उनके नेतृत्व पर सवाल खड़े किए थे, जिसके बाद से पार्टी के भीतर विरोध और तेज हो गया था।

पेड़ वाले बाबा ने पोस्टमार्टम हाउस पर रोपे पौध, किया पौधों के सुरक्षा का आवाहन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। रविवार को पेड वाले बाबा गौहर अली के साथ समाजसेवियों ने पोस्टमार्टम हाउस के पास साफ सफाई के बाद जामुन, सेमर, पाकड, लहचौरा, इमली, टिकोमा आदि के पौध रोपे और उनकी सुरक्षा के लिये ट्रीगार्ड भी लगाया।

पौधरोपण के बाद पेड वाले बाबा गौहर अली ने कहा कि लोग पौधरोपण के बाद उसे भूल जाते है। जब तक पौधों के वृक्ष बन जाने तक की व्यवस्था नहीं होगी पौधरोपण का समुचित लाभ नहीं मिलेगा। कहा कि उनके द्वारा जो पौध रोपे जाते हैं रखवाली, देख रेख के बावजूद कई पौधे नष्ट हो जाते हैं। कहा कि सिर्फ पौधे मत लगाइये, जितना लगाईये उन्हें विकसित करें जिससे उसका लाभ मानव जीवन को मिल सके। सामाजिक कार्यकर्ता पंडित सुनील कुमार भट्ट ने कहा कि पौधरोपण को जन आन्दोलन से जोड़ना होगा।

पोस्टमार्टम हाउस पर पौधरोपण के दौरान गौहर अली के साथ राहुल कुमार, अखिलेश राज आदि ने सहयोग किया।

शिवसेना के पूर्व जिलाध्यक्ष प्रमोद पाण्डेय को मिली धमकीः कार्रवाई की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। शिव सेना के पूर्व जिलाध्यक्ष प्रमोद पाण्डेय ने पुरानी बस्ती थानाध्यक्ष को तहरीर देकर कहा है कि सुगर मिल रेलवे क्रासिंग के निकट पंचमुखी श्री हनुमान जी मंदिर का निर्माण उनके और जन सहयोग से हुआ। हनुमान जी के सेवक के रूप में विधि विधान से प्रतिमा स्थापना, अनुष्ठान, भण्डारे के बाद वे मंदिर में सेवा दे रहे हैं। मंदिर होने के कारण आस पास से मीट, अण्डा आदि की दूकानों को हटवाया गया जिससे भक्तों को असुविधा न हो। इसे लेकर कुछ लोग उनसे नाराज है। शनिवार 6 सितम्बर की रात्रि लगभग 9 बजे जब वे मंदिर पर विश्राम कराने गये थे तो दिनेश चौधरी, गंगाराम कोटेदार ने उन्हें गालियां दी और मारपीट पर आमादा थे किन्तु वे घर चले गये। उक्त लोग उन्हें मारने–पीटने की योजना बना रहे हैं। तहरीर में प्रमोद पाण्डेय ने कहा है कि यदि उनके साथ कोई घटना होती है तो गंगाराम के साथ ही उनके परिजनों को भी जिम्मेदार माना जाय। उन्होने मामले की जांच और कार्रवाई की मांग किया है।

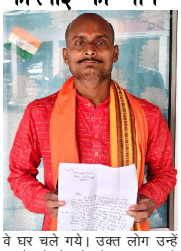

किन्नरों और परिवार का विवाद बधाई गीतों के साथ समाप्त

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। किन्नरों और एक परिवार के बीच चल रहा विवाद सुलह के साथ समाप्त हो गया। कोतवाली थाना क्षेत्र के गंदा नाला के पास स्थित एक मकान में यह विवाद था। ट्रांस जेंडर बोर्ड उत्तर प्रदेश के सदस्य अजय पांडेय ने इस मामले में पहल की।

कुछ समय पहले बधाई देने गए किन्नरों और परिवार के बीच कहासुनी हो गई थी। मामला थाने तक पहुंचा और दोनों पक्षों ने शिकायतें दर्ज कराई थीं। अजय पाण्डेय ने दोनों पक्षों को एक मंच पर बुलाकर समझौते की पहल की। इससे दोनों पक्षों में प्रसन्नता के साथ विवाद का सुखद समापन हो गया। ज्ञात रहे कि इंन्दिरा चेरिटेबल सोसायटी के सीईओ अजय पाण्डेय किन्नर समाज के उत्थान, शिक्षा दीक्षा, गरिमा गृह की स्थापना की दिशा में निरन्तर प्रयासरत हैं और पिछले दिनों राज्यपाल आनन्दीबेन पटेल ने कप्तानगंज स्थित कार्यालय पहुंचकर किन्नर समाज के उत्थान के प्रयास को सराहा था। इसी का प्रभाव रहा कि विवाद समाप्त हो गया।

सुलह के बाद किन्नरों ने परंपरागत तरीके से बधाई गीत गाए। परिवार ने उन्हें नेग दिया। इस मौके पर ट्रांस जेंडर सुरक्षा प्रकोष्ठ के सदस्य श्याम नारायण शुक्ला भी मौजूद थे। मौजूद लोगों ने इस पहल को समाज के लिए सकारात्मक संदेश बताया। उनका कहना था कि ऐसे प्रयासों से आपसी रिश्तों में विश्वास और अपनापन बढ़ता है।

भाजपा का सेवा पखवाड़ा 17 से, कार्यशाला में पंचायत, एम.एल.सी. चुनाव पर चर्चा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती, । भारतीय जनता पार्टी आगामी 17 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के जन्मदिवस से पूरे प्रदेश में सेवा पखवाड़ा का आयोजन करेगी। यह सेवा पखवाड़ा 17 सितंबर से प्रारंभ होकर महात्मा गांधी की जयंती 2 अक्टूबर तक चलेगा। सेवा पखवाड़ा अभियान के सफल संचालन के लिए रविवार को भाजपा कार्यालय बस्ती में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में आगामी पंचायत चुनाव एवं विधान परिषद सदस्य के चुनाव को लेकर भी विस्तार से चर्चा की गई।

कार्यशाला में प्रदेश पदाधिकारी, क्षेत्रीय पदाधिकारी, विधायकगण, जिला पंचायत अध्यक्ष, जिला पदाधिकारी, मण्डल अध्यक्ष, ब्लॉक प्रमुख, नगर पंचायत अध्यक्ष, अभियान संयोजक, मण्डल संयोजक सहित अन्य प्रमुख पार्टी पदाधिकारी एवं नेता उपस्थित रहे।

कार्यशाला में उपस्थित प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए क्षेत्रीय अध्यक्ष सहजानन्द राय ने कहा कि "भारतीय जनता पार्टी का कार्यकर्ता 'नेशन फर्स्ट' की थीम पर कार्य करता है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के जन्मदिवस पर 17 सितंबर से सेवा पखवाड़ा अभियान प्रारंभ होगा, जो 2 अक्टूबर महात्मा गांधी जयंती तक चलेगा।" उन्होंने विकसित भारत की संकल्पना को साकार करने तथा देश में स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए प्रधानमंत्री की प्रतिबद्धता का उल्लेख करते हुए कहा कि युवाओं को अधिक से अधिक गाँवों तक पार्टी की विचारधारा पहुँचाने में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए।

उन्होंने सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 17 सितंबर को युवा मोर्चा की ओर से जिला स्तर पर रक्तदान शिविर आयोजित किया जाएगा। इसके साथ ही सार्वजनिक स्थलों पर स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। 17 से 24 सितंबर तक पूरे प्रदेश में स्वास्थ्य जांच शिविर लगाए जाएंगे। 17 सितंबर को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर वर्चुअल माध्यम से प्रधानमंत्री का संबोधन भी सुनाया जाएगा।

जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र ने कहा कि "भाजपा का दूसरा पहलू जनसेवा है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के जन्मदिवस 17 सितंबर से सेवा पखवाड़ा अभियान की शुरुआत होगी। भाजपा एक राजनीतिक दल के रूप में राष्ट्र प्रथम की भावना से कार्य करती है, लेकिन हमारा दूसरा पहलू जनसेवा का है। पार्टी के कार्यकर्ता जनसेवा और रचनात्मक कार्यों में बढ़–चढ़कर भाग लेते हैं। मजबूत भारत के लिए मजबूत भाजपा का होना आवश्यक है। भाजपा की मजबूती ही भारत की मजबूती है।"

उन्होंने आगे कहा कि वर्ष 2047 में भारत एक विकसित राष्ट्र बनकर पूरी दुनिया में अपनी छाप छोड़ेगा। यह हर भारतीय का सपना है, जिसे साकार करने के लिए सतत प्रयास आवश्यक हैं। कार्यशाला का संचालन अखण्ड प्रताप सिंह ने किया।

इस अवसर पर विधायक अजय सिंह, पूर्व विधायक रवि सोनकर, जिला पंचायत अध्यक्ष संजय चौधरी, पूर्व जिलाध्यक्ष पवन कसौधन, सुशील सिंह, यशकांत सिंह, राजेन्द्र गौड़, गोपेश्वर त्रिपाठी, राजेश पाल चौधरी, अनिल दुबे, भानु प्रकाश सिंह, प्रत्युष विक्रम सिंह, अमृत कुमार वर्मा, आशा सिंह, शालिनी मिश्र, ममता सिंह, गजेंद्र सिंह, राम सिंगार ओझा, सुरेन्द्र सिंह, राजकुमार शुक्ल, दिलीप पाण्डेय सहित अन्य प्रमुख पदाधिकारी एवं नेता उपस्थित रहे।

टी.ई.टी. अनिवार्य हुआ तो देश के 15 लाख से अधिक शिक्षकों के समक्ष नौकरी का संकट –उदयशंकर शुक्ल

-10 सितम्बर को बस्ती सहित देश भर के शिक्षक धरने के बाद देंगे ज्ञापनः बैठक में बनी रणनीति

-संगठन का अधिवेशन 16 सेः शिक्षकों से सक्रियता का आवाहन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । रविवार को उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ जिलाध्यक्ष उदय शंकर शुक्ल के नेतृत्व में शिक्षकों, संघ पदाधिकारियों की बैठक प्रेस क्लब सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिए गए निर्णय के क्रम में देश के सेवारत शिक्षकों के लिए शिक्षक पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण करना अनिवार्य किए जाने के आदेश मामलों के बाद उत्पन्न स्थिति पर विचार किया गया। निर्णय लिया गया कि राष्ट्रीय नेतृत्व के आवाहन पर 10 सितम्बर को दिन में एक बजे शास्त्री चौक पर एकत्र होंगे उसके बाद जिलाधिकारी के माध्यम से ज्ञापन भेजा जायेगा।

बैठक को सम्बोधित करते हुये संघ जिलाध्यक्ष उदय शंकर शुक्ल ने कहा कि केन्द्र सरकार, केन्द्रीय शिक्षा मंत्री आगे आकर इस समस्या का हल ढूढने का प्रयास करें अन्यथा देश के 15 लाख से अधिक शिक्षकों के समक्ष नौकरी का संकट उत्पन्न हो जायेगा। कहा कि ऐसा लगता है कि माननीय सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष शिक्षकों का पक्ष प्रभावशाली ढंग से नहीं रखा गया। न्यायालय के समक्ष यदि विभागीय नियमावली और शासनादेश के पक्ष रखे गये होते तो ऐसा आदेश न आता। कहा कि इन सवालों को लेकर अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ के आवाहन पर 10 से 16 सितम्बर तक सम्पूर्ण देश में संगठन के पदाधिकारी धरना प्रदर्शन और ज्ञापन के माध्यम से प्रधानमंत्री, मानव संसाधन मंत्री, प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों, शिक्षा मंत्रियों से रचनात्मक सहयोग मांगा जायेगा। कहा कि आगामी 16 सितम्बर से संगठन के अधिवेशन के माध्यम से संगठन की मजबूती के लिये शिक्षक जुट जाय।

संघ के जिला मंत्री राघवेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि बीएड, बी.पी.एड. उत्तीर्ण सेवारत शिक्षक, शिक्षिकायें, इण्टर मीडिया उत्तीर्ण सेवारत शिक्षक, शिक्षिकायें, मृतक आश्रित प्रशिक्षण मुक्त शिक्षक, शिक्षिकायें स्नातक में 45 प्रतिशत से कम अंक पाने वाले सेवारत शिक्षक, शिक्षिकायें, टी.ई.टी. परीक्षा देने के अर्ह ही नहीं है। ऐसे में निर्णय पर पुर्नविचार आवश्यक है। संघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष महेश कुमार, अभय सिंह यादव, इन्द्रसेन मिश्र, जिला प्रवक्ता सूर्य प्रकाश शुक्ल ने कहा कि सेवा नियमावली के अनुसार यथा समय नियुक्त शिक्षक, शिक्षिकाओं को टी.ई.टी. से मुक्त रखा जाय।

बैठक में मुख्य रूप से सदर अध्यक्ष शैल शुक्ल, रक्षा राम वर्मा, सतीश शंकर शुक्ल, रीता शुक्ला, अरविन्द कुमार पाण्डेय, नरेन्द्र कुमार द्विवेदी, प्रणव मिश्रा, अविनाश मिश्रा, शुभम मिश्रा, चन्द्र मिश्रा ,देवेन्द्र वर्मा, भरतराम, रामपाल चौधरी, विजय कन्नौजिया, रामपति कन्नौजिया, चन्द्रभान चौरसिया, कन्हैयालाल भारती, प्रमोद कुमार त्रिपाठी, विनय कुमार ,त्रिलोकी नाथ, जितेन्द्र बहादुर, रवीन्द्र नाथ, राजीव पाण्डेय, पीयूष मौर्या ,अरविन्द कुमार ,अनिल कुमार सिंह, संतोष कुमार ,अभिषेक जायसवाल,मिथलेश मिश्रा, गुरूलाल, गिरजेश प्रसाद चौधरी, पाटेश्वरी निषाद, दिवाकर सिंह, रजनीश मिश्रा, अभिषेक उपाध्याय, अनूप सिंह, बृजेश कुमार पाण्डेय, बुद्धिराम यादव, अरविन्द यादव, मो0 सलाम, राजेश पाठक, योगेश्वर प्रसाद शुक्ला, सुशील कुमार, राजेश कुमार चौधरी, ओंकार उपाध्याय, विनोद कुमार गौतम, कन्हैयालाल भारती, अनिल कुमार , मारूफ खान, आदि शामिल रहे।

पार्टी के बीएलए कर लें मतदाता सूची की जांच वोट चोरी न होने पाये– महेन्द्रनाथ यादव

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती ।रविवार को समाजवादी पार्टी की मासिक बैठक पार्टी कार्यालय पर सपा जिलाध्यक्ष एवं बस्ती सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव और विधानसभा चुनाव की मतदाता सूची की गहन जांच कर बूथ स्तर पर खामियां को दूर कराने पर विचार किया गया।

बैठक को सम्बोधित करते हुये सपा जिलाध्यक्ष महेन्द्रनाथ यादव ने कहा कि बूथवार पार्टी के बीएलए अपने–अपने बूथों के मतदाता सूची का स्वयं घर–घर जाकर सघन जांच करने के साथ ही जो खामियां हो उसको दूर करायें। कहा कि भाजपा पहले साम्प्रदायिक ध्रुवीकरण और नफरत फैलाकर चुनाव जीतती थी, अब वोट चोरी का षड़यंत्र लोकतंत्र के समक्ष बड़ी समस्या के रूप में है। कहा कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव स्वयं वोट चोरी न होने पाये इसके लिये गंभीर है।

विधायक राजेन्द्र चौधरी, दयाशंकर मिश्र, मो. स्वालेह, संजय गौतम, समीर चौधरी, रविन्द्र यादव, जमील अहमद, महादेवा विधानसभाध्यक्ष राजेन्द्र चौधरी, मो. उमर, मो. सलीम, प्रवीण पाठक, अरविन्द यादव, पंकज निषाद, राम सिंह यादव, रणजीत यादव, सुरेश यादव, राजेन्द्र चौरसिया, दीपेन्द्र यादव, कुलदीप मौर्य, नीलू सिंह आदि ने मासिक बैठक में जमीनी धरातल पर संगठन को और मजबूत करने का सुझाव देते हुये कहा कि यदि किसी बूथ पर पार्टी का बीएलए न हो तो तत्काल नियुक्त करने के साथ ही उनसे लगातार सम्पर्क में रहा जाय जिससे मतदाता सूची में कोई कमी न रहने पाये। पार्टी के बीएलओ के सुझाव को यदि न माना जाय तो उस दिशा में तत्काल प्रभावी पहल कर समस्या का समाधान कराया जाय।

मासिक बैठक में गुलाम गौस, गगन पाण्डेय, राजेन्द्र यादव, मधुबन यादव, अरविन्द सोनकर, हनुमान चौधरी, मो. युनुस, जितेन्द्र यादव, देवनाथ यादव, सुरेश यादव, जमील अहमद, रविन्द्र यादव, अकबर अली, दीपक आर्या, अखिलेश यादव, अजय यादव, रजनीश यादव, भोलू खां, शुभम यादव, रविकान्त निषाद, जोखूलाल यादव, नितराम चौधरी, विशाल यादव, घनश्याम यादव, मो. अहमद सज्जू, डा. देवेन्द्र श्रीवास्तव, रहमान सिद्दीकी, भोला पाण्डेय, मो. हारिश, रामशंकर निराला, चन्द्रहास, मुरलीधर पाण्डेय, गौरीशंकर यादव के साथ ही सपा के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 8 सितम्बर 2025 सोमवार

सम्पादकीय

मणिपुर में शांति की पहल

निस्संदेह, पिछले दो वर्ष से अधिक समय से हिंसाग्रस्त मणिपुर का संकट लाइलाज—सा नजर आता रहा है। अब केंद्र सरकार और राज्य के दो प्रमुख कुकी—जो समूहों के बीच हस्ताक्षरित ऑपरेशन निलंबन समझौते से अशांत मणिपुर में शांति बहाली तथा सामान्य स्थिति बनाये रखने के प्रयासों को बल मिलने की उम्मीद जगी है। उम्मीद है कि इस प्रयास से राज्य की क्षेत्रीय अखंडता सुनिश्चित की जा सकेगी। समझौते के बाद निर्दिष्ट शिविरों को संवेदनशील क्षेत्रों से स्थानांतरित करने और राज्य में दीर्घकालिक शांति तथा स्थिरता सुनिश्चित करने की दिशा में भी सहमति बनी है। वहीं यह घटनाक्रम इस कारण से भी महत्वपूर्ण हो जाता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगले सप्ताह इस पूर्वोत्तर राज्य का दौरा कर सकते हैं। विपक्ष लंबे समय से मांग करता रहा है कि प्रधानमंत्री मणिपुर क्यों नहीं जाते। मई, 2023 में मैतेई और कूकी समुदाय के बीच जातीय हिंसा भड़कने के बाद प्रधानमंत्री की इस संवेदनशील राज्य की यह पहली यात्रा होगी। विगत में विपक्ष लगातार आरोप लगाता रहा है कि केंद्र ने मणिपुर को उसके हाल पर छोड़ दिया। विपक्ष ने राज्य में डबल इंजन सरकार के दौरान कुशासन का आरोप भी लगातार लगाया है। उनका यह भी आरोप रहा है कि सत्तारूढ़ भाजपा ने राज्य की स्थिति के नियंत्रण में अपनी विफलता के बावजूद एन बीरेन सिंह को मुख्यमंत्री के पद पर बनाये रखा था। इससे बढ़कर यह भी कि मुख्यमंत्री के पद पर रहते हुए उन पर तटस्थता न दिखाने और हिंसा के प्रति संवेदनहीन बने रहने के आरोप भी लगाए गए। कालांतर विपक्ष के दबाव के बीच उन्होंने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। तब से लेकर अब तक राज्य राष्ट्रपति शासन के तहत संचालित है। वहीं हाल के महीनों में अपेक्षाकृत शांति का एक मुख्य कारण यह भी है कि कई आतंकवादियों ने राज्य के अधिकारियों की अपील के जवाब में लूटे गए हथियार कानून प्रवर्तन एजेंसियों को लौटाए हैं।

निश्चित रूप से हाल ही में हुआ समझौता लंबे समय से अशांत चल रहे मणिपुर के हित में एक स्वागत योग्य कदम ही कहा जाएगा। इसके बावजूद कुछ पेचीदा मुद्दे अभी भी सुलझाने बाकी हैं। इस मुहिम में विभिन्न हितधारकों को शामिल करने की जरूरत है। राज्य में एक प्रभावशाली नागरिक समाज समूह, कुकी—जो काउंसिल ने स्पष्ट किया है कि वह मैतेई और कुकी—जो क्षेत्रों के बीच बफर जोन में अप्रतिबंधित या मुक्त आवाजाही के पक्ष में नहीं। यह भी कि मणिपुर के नागाओं के शीर्ष निकाय ने मुक्त आवागमन व्यवस्था को समाप्त करने और भारत—म्यांमार सीमा पर बाड़ लगाने का विरोध किया है। इसके अलावा विरोध में राज्य में समुदाय वाले सभी क्षेत्रों में व्यापार प्रतिबंध लागू करने की चेतावनी भी दी है। उल्लेखनीय है कि राज्य में जातीय संघर्ष की मूल वजह बहुसंख्यक मैतेई समुदाय की अनुसूचित जनजाति का दर्जा हासिल करने की मांग रही है। इस मांग पर उपजे टकराव को दूर करने तथा कुकी और नागाओं का विश्वास फिर से हासिल करने के प्रयास प्राथमिकता के आधार पर किए जाने की जरूरत है। निश्चय ही, सामान्य स्थिति की ओर बढ़ने के लिये मोदी सरकार को अब समय नहीं गवांना चाहिए। निस्संदेह, मणिपुरियों ने पहले ही इस राहत के लिये बहुत लंबा इंतजार किया है। यह अच्छी बात है कि कूकी—जो काउंसिल ने अलग से राष्ट्रीय राजमार्ग—2 को खोलने का फैसला लिया है। यह राजमार्ग मणिपुर से होकर गुजरता है। निस्संदेह, इस कदम से जहां राज्य में जीवन की जरूरी चीजों की आपूर्ति सरल होगी, वहीं विस्थापित परिवारों और राहत शिविरों में हालात के चलते रह रहे नागरिकों की मुश्किलें कम हो सकेंगी। वहीं पिछले कुछ महीनों से राज्य में जारी शांति की स्थिति को स्थायी बनाने की दिशा में शासन—प्रशासन की ओर से गंभीर प्रयासों की जरूरत है। सुखद यह भी है कि समझौते में कूकी संगठनों ने अपने शिविरों की संख्या कम करने तथा हथियारों को निकटवर्ती बीएसएफ और सीआरपीएफ शिविरों में पहुंचाने पर भी सहमति जतायी है। विश्वास किया जाना चाहिए कि समझौते के मुद्दों पर सतर्क निगरानी के साथ राज्य में स्थायी शांति का वातावरण बन सकेगा।

तरक्की के शहर में अकेलेपन के घर

— डॉ.सत्यवान सौरभ—

सबसे बड़ी चुनौती है सामुदायिक बंधनों का क्षरण। गाँवों में जहाँ पड़ोसियों और रिश्तेदारों के बीच गहरे संबंध होते हैं, वहीं शहरों में रहने वाले लोग अक्सर अनजानेपन और दूरी का अनुभव करते हैं। गेटेड सोसाइटी और उच्च–आय वर्गीय कॉलोनियों ने सामाजिक जीवन को खंडित कर दिया है। लोग अपने छोटे–से घेरे में सिमट जाते हैं और 'अन्य' के प्रति अविश्वास पनपने लगता है। यह प्रवृत्ति समाज में सामूहिक विश्वास और सहयोग की भावना को कमजोर करती है। शहरी जीवन का दूसरा बड़ा संकट है अकेलापन। भीड़भाड़ और व्यस्तता के बावजूद लोग व्यक्तिगत रूप से अलग–थलग पड़ जाते हैं।

महानगरों में लाखों लोग रहते हैं, परंतु अधिकांश अपने पड़ोसियों को भी नहीं पहचानते। एक सर्वेक्षण के अनुसार लगभग 40 प्रतिशत शहरी भारतीयों ने स्वीकार किया कि वे खुद को अकेला महसूस करते हैं। यह आँकड़ा दिखाता है कि आधुनिक शहरी जीवन ने भले ही हमें भौतिक सुविधाएँ दी हों, परंतु भावनात्मक और सामाजिक रूप से हमें कमजोर किया है। तकनीक ने भी इस अकेलेपन को बढ़ाया है। स्मार्टफोन और सोशल मीडिया पर निर्भरता ने वास्तविक मानवीय बातचीत को सीमित कर दिया है। मेट्रो या बस में सफर करते हुए अक्सर लोग एक–दूसरे से संवाद नहीं करते, बल्कि मोबाइल स्क्रीन में डूबे रहते हैं।

शहरीकरण ने भारत के सामाजिक जीवन और मानवीय संबंधों को गहराई से प्रभावित किया है। यह केवल आर्थिक प्रगति का साधन नहीं बल्कि एक ऐसा सामाजिक परिवर्तन भी है जिसने हमारे पारंपरिक रिश्तों विश्वास और आपसी सहयोग की प्रकृति को बदल दिया है। शहरी जीवन की रफ्तार, अवसरों की विविधता और सेवाओं तक आसान पहुँच ने निश्चित ही नागरिकों को नए विकल्प दिए हैं, परंतु इसके साथ ही यह प्रक्रिया मानवीय संवेदनाओं और सामुदायिक रिश्तों को भी चुनौती देती रही है।

शहरों के विस्तार ने लोगों को शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार जैसे अवसरों के करीब लाया। पहले जहाँ ग्रामीण भारत में इन सुविधाओं तक पहुँच कठिन थी, वहीं शहरी क्षेत्रों ने इन्हें आसान बनाया। दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु और कोलकाता जैसे महानगरों में विश्वस्तरीय अस्पताल, विश्वविद्यालय और सांस्कृतिक केंद्र मौजूद हैं। यह स्थान केवल सेवाएँ ही उपलब्ध नहीं कराते, बल्कि ज्ञान और विचारों के आदान–प्रदान के मंच भी बनते हैं। इसी वजह से शहरी जीवन को आधुनिक भारत का इंजन कहा जाता है। यहाँ के निवासी विभिन्न भाषाई, धार्मिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि से आते हैं, जिससे विविधता का अनुभव होता है और सहिष्णुता की भावना विकसित होती है।

साथ ही, शहरी जीवन में सांस्कृतिक समृद्धि और नागरिक चेतना भी प्रबल होती है। कला दीर्घाएँ, पुस्तकालय, रंगमंच, साहित्यिक सभाएँ और जनआंदोलन जैसी गतिविधियाँ शहरों की पहचान रही हैं। चाहे वह कोलकाता की अकादमी ऑफ फाइन आर्ट्स हो या दिल्ली का इंडिया हैबिटेट सेंटरकृये स्थान सामूहिक संवाद और रचनात्मकता को बढ़ावा देते हैं। इसके अतिरिक्त, बेंगलुरु जैसे शहरों में आईटी उद्योग और स्टार्टअप संस्कृति ने पेशेवर सहयोग और नेटवर्किंग की नई संभावनाएँ खोली हैं। नागरिक स्वयं भी संगठित होकर अपने अधिकारों और सुविधाओं के लिए आवाज उठाते हैं। गुरुग्राम की आवासीय कल्याण समितियों द्वारा कचरा प्रबंधन और जलसंरक्षण के खिलाफ अभियान इसका उदाहरण हैं।

लेकिन इन सब सकारात्मक पहलुओं के बीच शहरीकरण का एक दूसरा चेहरा भी है, जो कहीं अधिक गहन सामाजिक संकट की ओर इशारा करता है। सबसे बड़ी चुनौती है सामुदायिक बंधनों का क्षरण। गाँवों में जहाँ पड़ोसियों और रिश्तेदारों के बीच गहरे संबंध होते हैं, वहीं शहरों में रहने वाले लोग अक्सर अनजानेपन और दूरी का अनुभव करते हैं। गेटेड सोसाइटी और उच्च–आय वर्गीय कॉलोनियों ने सामाजिक जीवन को खंडित कर दिया है। लोग अपने छोटे–से घेरे में सिमट जाते हैं और 'अन्य' के प्रति अविश्वास पनपने लगता है। यह प्रवृत्ति समाज में सामूहिक विश्वास और सहयोग की भावना को कमजोर करती है।

शहरी जीवन का दूसरा बड़ा संकट है अकेलापन। भीड़भाड़ और व्यस्तता के बावजूद लोग व्यक्तिगत रूप से अलग–थलग पड़ जाते हैं। महानगरों में लाखों लोग रहते हैं, परंतु अधिकांश अपने पड़ोसियों को भी नहीं पहचानते। एक सर्वेक्षण के अनुसार लगभग 40 प्रतिशत शहरी भारतीयों ने स्वीकार किया कि वे खुद को अकेला महसूस करते हैं। यह आँकड़ा दिखाता है कि आधुनिक शहरी जीवन ने भले ही हमें भौतिक सुविधाएँ दी हों, परंतु भावनात्मक और सामाजिक रूप से हमें कमजोर किया है।

तकनीक ने भी इस अकेलेपन को बढ़ाया है। स्मार्टफोन और सोशल मीडिया पर निर्भरता ने वास्तविक मानवीय बातचीत को सीमित कर दिया है। मेट्रो या बस में सफर करते हुए अक्सर लोग एक–दूसरे से संवाद नहीं करते, बल्कि मोबाइल स्क्रीन में डूबे रहते हैं। यह प्रवृत्ति समाजशास्त्री जॉर्ज सिमेल की उस धारणा को सही साबित करती है जिसमें उन्होंने आधुनिक शहरों को भीड़ में अकेलेपन के प्रतीक कहा था।

साथ ही, शहरी जीवन की भीड़–भाड़ और संसाधनों की कमी ने तनाव और संघर्ष को भी जन्म दिया है। पानी, बिजली, यातायात और पार्किंग जैसे मुद्दों पर झगड़े आम हो गए हैं। दिल्ली जैसे शहरों में पार्किंग विवाद कई बार हिंसा तक पहुँच जाते हैं। वाहन प्रदूषण और सड़क दुर्घटनाएँ भी नागरिक जीवन की असुरक्षा को बढ़ाती हैं। पैदल चलने वालों के लिए सुरक्षित स्थान कम होते जा रहे हैं, जिससे साझा सार्वजनिक जीवन घटता जा रहा है। यह कमी सामाजिक पूँजी पर सीधा आघात करती है, क्योंकि खुले और सुरक्षित सार्वजनिक स्थल ही लोगों के बीच संवाद और सहयोग को जन्म देते हैं।

इस प्रकार, शहरीकरण ने भारत के सामाजिक पूँजी पर दोतरफा असर डाला है। एक ओर इसने शिक्षा, स्वास्थ्य, विविधता और सांस्कृतिक उन्नति के अवसर दिए, तो दूसरी ओर इसने रिश्तों को सतही, अस्थिर और अविश्वासी बना दिया। आर्थिक विकास की गति में हमने भावनात्मक और सामुदायिक जीवन को पीछे छोड़ दिया।

आवश्यक है कि शहरी नियोजन केवल भौतिक ढाँचे तक सीमित न रहे, बल्कि उसमें मानवीय संबंधों की गरिमा और सामुदायिक जीवन की बहाली को भी स्थान मिले। हमें ऐसे सार्वजनिक स्थल चाहिए जहाँ लोग सहजता से मिल सकें और संवाद कर सकें। आवासीय कल्याण समितियों को केवल प्रशासनिक इकाई न मानकर सामाजिक मेलजोल और सामुदायिक उत्सवों का मंच बनाया जाए। शहरों में त्योहारों, मेलों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों को बढ़ावा दिया जाए, ताकि लोग एक–दूसरे के करीब आ सकें। साथ ही, सस्ते और समावेशी आवास की नीतियाँ तैयार हों, जिससे वर्ग आधारित विभाजन कम हो सके।

भारत का भविष्य निस्संदेह शहरी होगा, परंतु यह भविष्य तभी स्थायी और समृद्ध हो सकता है जब शहरीकरण केवल आर्थिक नहीं बल्कि सामाजिक पूँजी का भी संवाहक बने। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि विकास की दौड़ में रिश्तों का ताना–बाना न टूटे। शहर तभी सच्चे अर्थों में प्रगतिशील बनेंगे जब वे न केवल समृद्धि और अवसर देंगे, बल्कि विश्वास, सहयोग और सामूहिक कल्याण की भावना को भी जीवित रखेंगे।

पंजाब जल प्रलयः और जिम्मेदार

—तनवीर जाफरी—

भारत का 'अन्न भंडार' कहा जाने वाला देश की खाद्य आपूर्ति के लिए सबसे महत्वपूर्ण राज्य पंजाब इन दिनों जल प्रलय जैसे अति गंभीर संकट से जूझ रहा है। कुछ स्रोतों के अनुसार राष्ट्रीय खाद्य भंडार में पंजाब लगभग 45: अनाज का योगदान करता है। इसमें देश के गेहूं उत्पादन में लगभग 22: और चावल उत्पादन में लगभग 12: का योगदान शामिल है। इसीलिए पंजाब देश की खाद्य आपूर्ति के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण राज्य है। इसके अलावा इसी पंजाब का किसान भारत में ही नहीं बल्कि पूरे विश्व में जरूरतमंदों की हर तरह की मदद करने के लिये पहली पंक्ति में खड़ा नजर आता है। चाहे वह युद्ध की विभीषिका से जूझने वाले लोग हों या भूकंप,सुनामी अथवा बाढ़ से प्रभावित लोग,शरणार्थियों की मदद करनी हो या कोरोना जैसे विश्वस्तरीय संकटकाल में लोगों को मुफ्त भोजन व अन्य सुविधायें उपलब्ध कराना हो, पंजाब की यह कौम हमेशा सबसे आगे खड़ी नजर आई है। न यह धर्म देखते हैं न देश, न सीमा न जाति या भाषा। इन्हें प्रत्येक मानव की पीड़ा अपनी पीड़ा महसूस होती है और यह कौम तन मन धन से एकजुट होकर मदद करने को खड़ी हो जाती है। आज पूरे देश में न जाने कितने गुरुद्वारे दिन रत जरूरतमंदों को लंगर उपलब्ध कराते हैं। देश बार में स्वास्थ्य सम्बन्धी दर्जनों प्रयोगशालाएं व अस्पताल इनके सौजन्य से संचालित हो रहे हैं।

दुर्भाग्यवश आज हमारे देश का यही पंजाब प्राकृतिक प्रकोप से जूझ रहा है। इन दिनों जम्मू, कश्मीर,हिमाचल प्रदेश व उत्तरांचल सहित केवल पंजाब में आई भीषण बाढ़ से राज्य के सभी 23 जिले प्रभावित हैं। राज्य में अब तक दर्जनों लोगों की मौत या उनके लापता होने के समाचार हैं। इस जल प्रलय से पंजाब के लाखों लोग प्रभावित हुए हैं। करीब 2000 गांव जलमग्न हो गए हैं। अनुमान के अनुसार बाढ़ ने लगभग 18 लाख हेक्टेयर खेतों की फसलें बर्बाद कर दी हैं। बासमती फसल को तो भारी नुकसान हुआ है। अभी तक 600 करोड़ से अधिक के नुकसान का अनुमान लगाया जा रहा है। सरकारी व अनेक गैर सरकारी स्वयंसेवी संगठनों द्वारा राहत और बचाव कार्य तेजी से चलाया जा रहे है। हजारों बाढ़ पीड़ितों को सुरक्षित जगहों पर या राहत शिविरों में पहुँचाया जा चुका है।

इसी दौरान शौर्य समर्पण व बलिदान की इस धरती से बड़े ही हृदय विदारक दृश्य सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। हजारों गायें भैंसें तेज बहाव में बहकर लापता हो गई हैं। पूरी पूरी डेयरियां जल प्रलय का शिकार हो गयी हैं। लोगों के खेतों में वर्तमान फसल तो बर्बाद हुई ही है परन्तु ऐसी संभावना भी है कि खेतों में रेत की मोटी परत बैठ जाने के चलते अनिश्चितकाल के लिये इन खेतों की अपनी उर्वरक क्षमता भी समाप्त हो जाएगी। गोया इस जल प्रलय के चलते आने वाले वर्षों में देश की कृषि आधारित अर्थव्यवस्था भी प्रभावित होने की संभावना है।

बहरहाल आज पीड़ा की इस घड़ी में पंजाब के किसानों के साथ पूरा देश खड़ा दिखाई दे रहा है। अक्षय कुमार,दिलजीत दोसांझ,रणदीप हुड्डा,सोनू सूद,प्रीटी जिंटा,करीना कपूर,विक्की कौशल,एमी विर्क,राज कुंद्रा,गुरु रंधावा,गिप्पी ग्रेवाल,करण औजला,सुनंदा शर्मा,शाहरुख खान , आलिया भट्ट, करण जौहर,हरभजन सिंह,मनकीरत औलख,बब्बू मान, रणजीत बावा,सोनम बाजवा ,संजय दत्त,अजय देवगन, कपिल शर्मा, बादशाह, सिद्धार्थ मल्होत्रा व अनन्या पांडे जैसे अनेक फिल्म व कला जगत से जुड़े लोगों ने बढ़चढ़कर या तो भारी भरकम रकम दान की है या पीड़ितों के लिये राहत शिविर स्थापित किये हैं,एम्बुलेंस दान की हैं अथवा उनके साथ अपना समर्थन व्यक्त किया है। इसी तरह मदरसा जीनत उलूम,नारायणगढ़ मदरसा जमीयतुल उलूम, मेवात के मुस्लिम समुदाय के लोग व दर्जनों मस्जिदों से राहत भरे ट्रक पंजाब की ओर भेजे जा रहे हैं। ईरान ने भी भारत के पंजाब में आई भीषण बाढ़ पर गहरा दुख व्यक्त किया है। ईरान के भारत स्थित दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जारी एक संदेश में कहा कि पंजाब में आई बाढ़ से हुए व्यापक नुकसान और दर्द को देखकर मन दुखी है। दूतावास ने प्रभावित लोगों और राहत कार्यों में लगे सभी के लिए प्रार्थनाएं कीं तथा भगवान से सभी की रक्षा और आशीर्वाद की कामना की। ईरान के सर्वोच्च नेता आयतुल्लाह अली खामनेई की ओर से भी पंजाब के बाढ़ पीड़ितों की हिफाजत और सलामती के लिए दुआएं भेजी गई हैं। ईरान के इस बयान की सोशल मीडिया पर काफी सराहना की गयी है।

आज पूरे देश के हर वर्ग व हर धर्म का व्यक्ति पंजाब के इन किसानों के साथ इसीलिये खड़ा है क्योंकि गुरुनानक देव जी महाराज द्वारा किये गये श्रेष्ठ्या सौदा श के संस्कारों में परवरिश पाने वाला पंजाब का यह किसान भी बुरे वक्त में पूरी दुनिया के साथ दुर्गम से दुर्गम परिस्थितियों में भी हमेशा खड़ा दिखाई दिया है। जहां कहीं धर्म देश या जाति देखकर लोगों की सहायता करने वाले संकीर्ण सोच के लोग मुसीबत में खड़े नहीं होते वहीं पंजाब का यह समुदाय केवल मानवता को मद्देनजर रखकर हमेशा हर जगह हर एक पीड़ित के साथ खड़ा दिखाई दिया है। संकट की इस घड़ी में देश के कारपोरेट घरानों व उद्योगपतियों को भी खुलकर सामने आना चाहिये। देश के उन बड़े बड़े मठों व धर्मस्थलों को भी मदद के हाथ पंजाब के जल प्रलय प्रभावित लोगों की ओर बढ़ाना चाहिये जिनके भण्डार अकूत सोने चांदी व धन सम्पदा से भरे पड़े हैं। देश के धनाढ्य कथावाचकों व धर्माधिकारियों को भी खुलकर सामने आना चाहिये। देश की बड़ी दरगाहों व जमाअतों को भी संकट में पंजाब के साथ खड़े होना चाहिये। बेशक प्रकृतिक प्रकोप के चलते दुनिया के इन मददगारों को भी आज वक्ती तौर पर मदद की दरकार जरूर है परन्तु विश्वास है कि मानवता व भाईचारे की मिसाल पेश करने व संकट में सबके साथ खड़ी नजर आने वाली यह कौम जल्द ही इस संकट से भी उबार जाएगी।

बहरूपिए, ढोंगी और पाखंडियों का जाल

—पूरन चंद सरीन—

हमारा देश आदि काल से संत, महात्मा, आचार्य, गुरु के प्रति, राजा हो या रंक निष्ठा, समर्पण, आदर–सम्मान दिखाता आया है। इनके द्वारा कहां उचित, अनुचित का भेद किए बिना मान लिए जाने की परंपरा थी। यह भी बहुत सोच–समझकर, न्याय–अन्याय की परख कर और जो सार्वजनिक हित में हो, अक्सर वही बात कहते और करते थे। एक तरह का संतुलन बना रहता था। परंतु हम तो वर्तमान हैं और भूतकाल केवल याद ही कर सकते हैं और भविष्य सदा से अनिश्चय का भंवर रहा है। आवश्यक है कि तर्क की कसौटी पर कसे बिना स्वामियों से लेकर शंकराचार्य, मंडलेश्वर या किसी अन्य का कथन आंख–कान बंद कर मान लेना खतरे से खाली नहीं होता। भावनाओं से खिलवाड़ होना मामूली है, सब कुछ लूट लिया जाना संभव है और 'अब पछताए क्या होत,जब चिड़िया चुग गई खेत' नियति बन जाती है।

सनातन शाश्वत सत्य है रू सबसे पहले तो उन लोगों से सावधान हो जाइए जो कहें कि सनातन खतरे में है, हम उसे बचाने निकले हैं। समझ लीजिए कि जो आदि और अंत दोनों है, उसकी रक्षा की बात कहने वाले बहरूपिए हैं जो कहे कि भारतीय संस्कृति की रक्षा करने निकले है, वे ढोंगी हैं जो इसके लिए कोई यज्ञ, अनुष्ठान करने का आह्वान करे, वह पाखंडी है और जो अपना सब कुछ अर्पित करने को कहे, वह लम्पट है।

यह समय वह नहीं जब स्वामी विवेकानंद, राम कृष्ण परमहंस, स्वामी श्रद्धानंद, स्वामी शिवानंद, महर्षि अरविंद, मां अमृतानंदमयी जैसी महान विभूतियां मार्गदर्शन करती थीं, आज एक गुरु ढूंढो हजार मिल जाते हैं। इनके महलनुमा आश्रमों की झलक एक वैबसीरीज में दिखाई गई जो बहुत लोकप्रिय हुई। इसके बावजूद न जाने क्या आकर्षण है कि ऐसे लोग अपनी शक्ल, सूरत और प्रवचन से इतना प्रभावित करते हैं कि उनके खोट दिखाई देने के बजाय लोग उनके मोहपाश में खिंचे चले आते हैं। इनकी कार्यशाला का सांचा अर्थात् 'मोडस ऑपरेंडी' यह है कि सबसे पहले किसी टी.वी. चौनल या समाचार पत्र के संपादकीय विभाग में पैठ बनाते हैं। अपनी रोनी सूरत से देश पर अभूतपूर्व संकट के बादल और सनातन को पुनरु स्थापित करने का संकल्प दोहराते हैं। संपादक, पत्रकार के जीवन में ऐसे लोग प्रतिदिन आते रहते हैं, बड़े से बड़ा गुरु, अपने धर्म का स्वयंभू सर्वेसर्वा उनकी कृपा यानी अखबार या टी.वी. में तनिक–सा स्थान और फोटो के साथ हो तो और भी बढिया, इसके लिए पैर छूने से लेकर साक्षात् दंडवत् करता है।

एक बार इसमें सफल हो गए तो फिर नेताओं के चक्कर और किसी तरह मंत्री से लेकर मुख्यमंत्री, यहां तक कि प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति तक अखबार की कतरन और टी.वी. की क्लिप और कतरनी की तरह चलने वाली जुबान से अपनी पहुंच बना लेते हैं। इसके बाद तो इनका धंधा इन्हें झोंपड़ी से महलों तक ले जाता है। अफसोस इस बात का है कि जहां भारत की आध्यात्मिकता, सनातन की व्याख्या और जीवन की संपूर्णता के बारे में गंभीर ज्ञान, आत्मिक शक्ति और नेतृत्व क्षमता चाहिए,वहां रंगीन वस्त्रधारियों, फूहड़ और महिलाओं के बारे में अपमानजनक भाषा बोलने वालों और विलासिता की वस्तुओं को भक्तों का प्रेम बताने वालों की भरमार है।

इनकी शान–ओ–शौकत आम आदमी की मेहनत से कमाई पूंजी पर निर्भर है। अंधविश्वास को भक्ति का चोला पहनाकर, अनहोनी का डर और अनर्थ की आशंका से इन्हें चढ़ावे के तौर पर बेहिसाब धन मिलने लगता है।

गणित के कठिन प्रश्न ने परीक्षार्थियों बढ़ाई टेंशन

संवाददाता–गोण्डा। जिले में उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूपीएसएसएससी) द्वारा आयोजित प्रारंभिक अर्हता परीक्षा (पीईटी) के दूसरे दिन भी कड़ी सुरक्षा के बीच प्रथम पाली की परीक्षा सफलतापूर्वक संपन्न हुई है। जिले के 18 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित इस परीक्षा की पहली पाली रविवार को सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक चली। इस पाली में कुल 6,246 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी, जबकि 1,050 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे।

परीक्षा देने आए परीक्षार्थियों को गणित के कठिन सवालों ने उलझा दिया है। अंबेडकर नगर से आए परीक्षार्थी नितेंद्र कुमार, प्रदीप, और राधा ने बताया कि परीक्षा अच्छी थी और उन्हें कोई परेशानी नहीं हुई। हालांकि, उन्होंने माना कि गणित के सवाल थोड़े कठिन थे जिन्हें हल करने में काफी समय लगा। नितेंद्र ने बताया कि उन्होंने 87 प्रश्न हल किए हैं और उन्हें 80 अंक मिलने की उम्मीद है। कुछ गणित के सवाल बहुत समय लेने वाले थे इसलिए उन्होंने उन्हें छोड़ना बेहतर समझा। वहीं बहराइच से आए राहुल,श्रावस्ती से आई प्रियंका, और बलरामपुर से आए कार्तिक व उमा ने कहा कि पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष का पेपर थोड़ा कठिन था। उन्होंने यह भी कहा कि जिन छात्रों ने पढ़ाई की है उनके लिए पेपर सरल था, लेकिन गणित कमजोर होने वाले छात्रों के लिए यह बहुत मुश्किल था।

प्रथम परीक्षा की निगरानी के लिए प्रशासन ने पूरी तरह से सतर्कता बरती है सभी परीक्षा केंद्रों पर खुफिया विभाग द्वारा भी लगातार नजर रखी जा रही थी। गोण्डा की जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन, अपर जिलाधिकारी आलोक कुमार, और पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल ने व्यक्तिगत रूप से सभी परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया और आवश्यक निर्देश दिए।

पहली पाली की परीक्षा समाप्त होने के बाद, प्रश्न पत्र और उत्तर पुस्तिकाओं को मजिस्ट्रेट और सेक्टर मजिस्ट्रेट की निगरानी में डबल–लॉक में सुरक्षित जमा कराया गया।

रामपुर कारखाना पुलिस ने पकड़ा अवैध पटाखे का जखीरा

संवाददाता–देवरिया। महुआडीह थाना क्षेत्र के नौतन हथियागढ़ गांव के पास जंगलों में अवैध पटाखा निर्माण का भंडाफोड़ हुआ है। शनिवार को ग्रामीणों ने नदी किनारे जंगल में पटाखों और बारूद का जखीरा खोजा।

नौतन हथियागढ़ में लंबे समय से छिपकर पटाखा बनाने का काम चल रहा था। जंगल की झाड़ियों से बड़ी मात्रा में अधबने और तैयार पटाखे मिले हैं। पटाखे बनाने में सरकारी स्कूल की किताबों के पन्ने इस्तेमाल किए जा रहे थे। ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। स्थानीय लोगों का आरोप है कि पुलिस और जिला प्रशासन को इस गतिविधि की जानकारी नहीं थी। नदी किनारे और घने जंगल में बारूद का भंडारण खतरनाक स्थिति पैदा कर रहा था। त्योहारी सीजन के लिए यहां से पटाखों की अवैध सप्लाई की जा रही थी। पुलिस ने मौके से पटाखे और बारूद जब्त कर लिए हैं। अधिकारियों के अनुसार मामले की जांच जारी है। इस अवैध कारोबार में शामिल लोगों की पहचान कर कार्रवाई की जाएगी। देवरिया जिले के महुआडीह थाना क्षेत्र के नौतन हथियागढ़ छोटी गंडक नदी के छठ घाट के किनारे झाड़ियां के बीच पटाखा बनाने का काम चल रहा था। पटाखा बनाने की मिनी फैक्ट्री की जानकारी होने पर पुलिस मौके से अर्ध निर्मित पटाखा वह पटाखा बनाने के समान में बरामद की। जहां से बड़े पैमाने पर वर्ष 2025– 26 के परिषदीय विद्यालयों की पुस्तक भी बरामद हुई है। आखिर परिषदीय विद्यालयों की पुस्तक पटाखा कारोबारी के पास कैसे पहुंची, यह सवाल विभाग के समक्ष खड़ा हो गया है। जो पुस्तक छात्रों को भटनी चाहिए उसे पटाखा कारोबारी को बेच दिया गया।

खेत जा रहे बालक पर किया हमला, नाक चबा डाली

संवाददाता–श्रावस्ती। कुत्तों की दहशत फैली है। रविवार को खेत गए बालक पर कुत्तों ने हमला कर उसकी नाक चबा डाली। कड़ी मशक्कत कर ग्रामीणों ने कुत्तों को खदेड़ा। घायल किशोर को गिलौला सीएचसी से बहराइच मेडिकल कालेज रेफर किए जाने पर चिकित्सकों ने हालत गंभीर बनी हुई देख लखनऊ केजीएएमयू रेफर कर दिया गया है। गिलौला थाने के भौसहवा निवासी कृष वर्मा (12) पुत्र मोहनलाल घर रविवार को दोपहर लगभग 1:00 बजे घर से थोड़ी दूर स्थित खेत जा रहा था। रास्ते में मिले कुत्तों के झुंड ने उस पर हमला कर दिया। बालक जान बचा कर भागा। उसे एक कुत्ते ने पटक कर नोंचना शुरू कर दिया। इसके बाद उसके चेहरे पर हमला किया। नाक चबाकर खा गया। बालक की चीख पर पहुंचे परिजनों व ग्रामीणों ने कुत्तों को कड़ी मशक्कत कर खदेड़ा। परिजन घायल बालक को गिलौला सीएचसी लाए। चिकित्सकों ने उसकी हालत गंभीर बनी हुई देख बहराइच मेडिकल कालेज रेफर कर दिया। घायल बालक का प्राथमिक इलाज कर चिकित्सकों ने उसे एआरबी इंजेक्शन की डोज लगाई।

आईटीआई को मिली नई ताकतः 23 नए अनुदेशकों को मिला नियुक्ति पत्र

संवाददाता–बलरामपुर। विकास भवन सभागार में 23 नए अनुदेशकों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम में तुलसीपुर विधायक कैलाश नाथ शुक्ल, जिला पंचायत अध्यक्ष आरती तिवारी, जिलाधिकारी पवन अग्रवाल और मुख्य विकास अधिकारी हिमांशु गुप्ता मौजूद रहे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वर्चुअल संबोधन में युवाओं के भविष्य निर्माण के लिए राज्य सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। विधायक कैलाश नाथ शुक्ल ने कहा कि प्रदेश सरकार पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया अपना रही है। युवाओं को व्यावसायिक शिक्षा से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में यह कदम उठाया गया है। जिलाधिकारी पवन अग्रवाल ने नए अनुदेशकों से सकारात्मक सोच और पूर्ण निष्ठा से काम करने को कहा। उन्होंने अनुदेशकों को नई तकनीकों से अपडेट रहने की सलाह दी। इससे छात्रों को बेहतर तकनीकी ज्ञान मिल सकेगा। इन नियुक्तियों से बलरामपुर आईटीआई में अनुदेशकों की संख्या 17 से बढ़कर 40 हो जाएगी। इससे युवाओं को बेहतर तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा मिल सकेगी।

रोटरी क्लब ने 14 शिक्षकों को किया सम्मानित

संवाददाता–महराजगंज। नगर पालिका परिषद हॉल में रोटरी क्लब द्वारा शिक्षक सम्मान दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में रोटरी क्लब के चार्टर्ड प्रेसिडेंट विंध्यवासिनी सिंह ने कहा कि प्रतिस्पर्धी दुनिया में शिक्षा को अंकों की दौड़ से आगे बढ़कर मूल्यों के संचार का माध्यम बनना होगा।

रोटरी क्लब के अध्यक्ष दिग्विजय सिंह ने शिक्षकों को आदर्श और सशक्त समाज के निर्माण का सूत्रधार बताया। क्लब के सचिव विनोद कुमार गुप्ता ने बताया कि शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए 14 शिक्षकों को सम्मानित किया गया। इनमें बैजनाथ सिंह, राकेश सिंह, संतोष तिवारी, हिसामुद्दीन अंसारी, जावेद फारुकी, अखिलेश कुमार, आजाद प्रजापति, सर्वेश पटेल, अर्चना चौबे, प्रतिभा पटेल, नागेंद्र चौरसिया, सुधीर त्रिपाठी और अरविंद विश्वकर्मा शामिल हैं।

सम्मानित शिक्षक बैजनाथ सिंह ने कहा कि शिक्षक समाज की गतिविधियों में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। कार्यक्रम में कुछ शिक्षकों ने गणित और अंग्रेजी की शिक्षण विधियों को गीत के माध्यम से प्रस्तुत किया।

इसी अवसर पर रोटरी क्लब द्वारा नेत्रदान पखवाड़ा गोष्ठी का भी आयोजन किया गया। अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. नवनाथ प्रसाद ने बताया कि यह कार्यक्रम 25 अगस्त से 8 सितंबर तक पूरे प्रदेश में चलेगा। सृजन आई हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ. बी.एम. वर्मा ने पिछले वर्ष उत्तर प्रदेश में सर्वाधिक नेत्रदान करवाने का रिकॉर्ड बनाया था।

क्रेटा की टक्कर से बाइक सवार दो युवक घायल

संवाददाता–गोण्डा। जिले की कोतवाली देहात क्षेत्र के बेलुवा चौराहे पर एक भीषण सड़क दुर्घटना में दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए है। जहां दोनों घायलों की हालत नाजुक बनी हुई है। तत्काल गोंडा मेडिकल कॉलेज ले जाया गया जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत नाजुक होने पर लखनऊ रेफर कर दिया गया है। सुभागपुर के नएपुरवा निवासी 30 वर्षीय सोनू और 15 वर्षीय अजीत बाजार से सामान खरीदने जा रहे थे। इसी दौरान बलरामपुर की तरफ से आ रही क्रेटा कार ने उनकी बाइक को पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि बाइक सवार करीब 100 मीटर दूर जा गिरे दुर्घटना में सोनू के पेट में बाइक का हैंडल घुस गया है जिससे सोनू कुमार की हालत और नाजुक बनी हुई है। टक्कर के बाद कार सड़क किनारे पलट गई है और कार सवार मौके से फरार हो गए है आसपास के लोगों ने घायलों को गोंडा मेडिकल कॉलेज पहुंचाया। डॉक्टरों ने दोनों की गंभीर स्थिति को देखते हुए लखनऊ रेफर कर दिया है। क्रेटा कार का अभी अगला हिस्सा पूरी तरीके से क्षतिग्रस्त हो गया है। कोतवाल संजय कुमार ने बताया कि पुलिस ने कार और बाइक को अपने कब्जे में ले लिया है। सोनू के परिजनों की शिकायत पर मुकदमा दर्ज किया जा रहा है। पुलिस फरार कार चालक की तलाश कर रही है। 30 वर्षीय सोनू 15 वर्षीय अजीत के रूप में घायलों की पहचान हुई है। घायलों के परिजनों को सूचना भी दे दी गई थी मौके पर परिजन भी पहुंच गए थे पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है।

पीईटी की परीक्षा देने जा रहे कई अभ्यर्थी सड़क हादसे में घायल

संवाददाता–देवरिया। पीईटी की परीक्षा देने जा रहे आधा दर्जन अभ्यर्थी सड़क हादसे में घायल हो गए। रविवार की सुबह परीक्षार्थियों से भरी कमांडर जीप स्टेरिंग लॉक होने की वजह से खड़ी टेंपो से भिड़ गयी। परीक्षार्थीयों की चीख पुकार सुनकर पहुंचे लोगों ने सभी को बाहर निकाल कर इलाज के लिये देवरिया भेजवाया। तरकुलवा थाना क्षेत्र के कंचनपुर चौराहे पर रविवार की सुबह पीईटी की परीक्षा दिलाने ले जा रही परीक्षार्थियों से भरी एक कमांडर जीप अनियंत्रित होकर खड़ी आरो के पानी पहुंचाने वाले टेंपो से टकरा गयी। हादसे में गाड़ी में बैठे कुशीनगर के कसया निवासी इरशाद अंसारी, रामकोला निवासी साक्षी, फाजिलनगर की गीता सहित करीब आधा दर्जन परीक्षार्थी घायल हो गए।

घायलों की चीख पुकार सुनकर पहुंचे चौराहे के लोग सभी को बाहर निकालकर प्राइवेट वाहन से इलाज के लिए देवरिया भिजवाए।उधर सूचना पाकर पहुंची पुलिस क्षतिग्रस्त वाहनों को थाने लाकर जांच में जुट गई। थाना प्रभारी मृत्युंजय राय ने बताया कि एक्सीडेंट की सूचना पर पुलिस मौके पर गई थी। सभी घायल जिला अस्पताल चले गए थे।

पांच थानों की पुलिस पहुंची कजरी,चप्पे–चप्पे की तलाशी

संवाददाता–महराजगंज। नौतनवा थाना क्षेत्र के कजरी गांव के मुसहरन टोले पर ननिहाल आये पांच साल के मासूम अंश अग्रहरी को घर के दरवाजे के गायब हुए 6 दिन बीत गये, लेकिन अब तक सुराग पुलिस के हाथ नहीं लग सका है। मासूम की तलाश में एडिशनल एसपी की अगुवाई में पांच थानों परसा मलिक, बरगदवा, बृजमनगंज, सोनौली व नौतनवा की पुलिस कजरी गांव पहुंची। गांव के सभी घरों, गली–कूचों की चप्पे–चप्पे की सघन तलाशी ली गई। लेकिन कोई सुराग हाथ नहीं लग सका। इस दौरान पुलिस ने एसडीआरएफ के बाद एक बार फिर घर के निकट के तालाब में जाल डाल कर तलाशी ली।

लेकिन तालाब में भी मासूम का पता नहीं चला। इसके साथ ही पुलिस ने पूरे गांव में ड्रोन उड़वाकर निगरानी कराई। ड्रोन टीम से फोटो व वीडियोग्राफी कराई गई, जिसकी बारीकी से जांच करने का निर्देश दिया गया। पुलिस कुछ लोगों को पूछताछ के लिए ले गई है, जिनसे पूछताछ जारी है। गांव में पसरा भय का माहौल अंश अपहरण मामले में पुलिस को अब तक कोई सुराग हाथ नहीं लगा है। मामले में पुलिस लगातार पूछताछ कर रही है। इसको लेकर गांव में भय पसरा हुआ है।

32 नवनियुक्त अनुदेशकों को मिला नियुक्ति पत्र

संवाददाता–गोण्डा। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में 32 नए नवनियुक्त अनुदेशकों को लेकर नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। जहां पर नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम का शुभारंभ जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन और सीडीओ अंकिता जैन द्वारा करके किया गया है।

जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन और मुख्य विकास अधिकारी अंकिता जैन ने सभी 32 नवनियुक्त अनुदेशकों को नियुक्ति पत्र देते हुए नए अनुदेशकों को शुभकामनाएं दीं है। अनुदेशकों की नियुक्ति होने से जिले में स्थित राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में पढ़ने वाले बच्चों को काफी फायदा मिलेगा।

डीएम प्रियंका निरंजन ने नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम के दौरान कहा कि यह नियुक्ति युवाओं के तकनीकी कौशल विकास में अहम भूमिका निभाएगी। प्रदेश सरकार कौशल विकास और युवा सशक्तिकरण को प्राथमिकता दे रही है।

सबसे ज्यादा बच्चे आज राजकीय आईटीआई से ही निकाल कर बड़े–बड़े संस्थानों में सरकारी विभागों में और बड़े–बड़े कंपनियों में जा रहे हैं। बच्चों को अच्छी शिक्षा मिले इसको लेकर के उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा भी तरह–तरह के इंतजाम राजकीय आईटीआई में किए गए हैं।

वही सीडीओ अंकिता जैन ने कहा कि तकनीकी शिक्षा में गुणवत्ता के लिए प्रशिक्षकों की भूमिका महत्वपूर्ण है। उन्होंने अनुदेशकों से छात्रों के समग्र विकास के लिए समर्पण से काम करने को कहा है। राजकीय आईटीआई गोंडा के प्रधानाचार्य से यह भी कहा कि समय–समय पर अलग तरीके से क्लास आयोजित करके बच्चों को और अच्छे शिक्षा प्रदान की जाए। यह भी सभी प्रिंसिपल सुनिश्चित करें कि अनुदेशक क्लास में बच्चों को ज्यादा ज्यादा समय दें।

संस्थान के प्रधानाचार्य ने बताया कि नई नियुक्तियों से प्रशिक्षण की गुणवत्ता बढ़ेगी बच्चों को अच्छी शिक्षा मिलेगी वहीं कार्यक्रम में नए अनुदेशकों ने अपने अनुभव साझा किए है। इस मौके पर परियोजना निदेशक डीआरडीए अजय प्रताप सिंह, गोंडा, मनकापुर, तरबगंज और करनैलगंज के आईटीआई प्राचार्य मौजूद रहे। कार्यक्रम में प्रशासनिक अधिकारी, आईटीआई स्टाफ और छात्र–छात्राएं भी शामिल हुए।

सपा को जमीनी स्तर पर मजबूत करने को लेकर बैठक

संवाददाता–बलरामपुर। समाजवादी पार्टी की मासिक बैठक लोहिया भवन में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष माणिक लाल कश्यप ने की। इस दौरान संगठन को मजबूत करने और आगामी राजनीतिक रणनीतियों पर चर्चा हुई। गैसड़ी विधायक राकेश यादव ने कार्यकर्ताओं से गांव–गांव जाकर जनता की समस्याएं सुनने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी का इतिहास संघर्ष और जनसेवा से जुड़ा है। पूर्व विधान परिषद सदस्य प्रत्याशी डॉ. भानू त्रिपाठी ने कहा कि समाजवादी पार्टी का मूल मंत्र समानता और न्याय है। उन्होंने जनविरोधी नीतियों के खिलाफ एकजुट होने का आह्वान किया।

प्रदेश सचिव और पूर्व जिलाध्यक्ष ओंकार नाथ पटेल ने पार्टी की नीतियों को विस्तार से समझाया। उन्होंने संगठन की मजबूती के लिए निरंतर कार्य करने पर जोर दिया। बैठक में पार्टी के वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

नेपाल के कसीनो में जुआ खेलकर बर्बाद हो गया पति, पैसे के लिए पत्नी को निर्वस्त्र कर पीटा

संवाददाता–बहराइच। जिले मे एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक रहने वाला एक व्यक्ति को जुआ की ऐसी लत लगी कि उसने सबकुछ बर्बाद कर दिया। नेपाल के कसीनों में हार रहे जुए के लती युवक ने ससुराल से पैसे लाने की मांग को लेकर पत्नी को पीटकर अधमरा कर दिया। उसकी जान लेने की कोशिश की। पति ने पत्नी के गले को शीशे के टुकड़े से रेतने की कोशिश की, लेकिन आसपास के लोगों ने उसे बचा लिया। पीड़िता ने पति के खिलाफ थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई है।

नगर कोतवाली के बशीरगंज मोहल्ले निवासनी एक युवती की शादी इसी मोहल्ले निवासी युवक से हुई थी। दम्पत्ति का जीवन खुशहाली से चल रहा था। अचानक युवक एक दिन सरहद पार नेपालगंज के कसीनों पहुंच गया। वहां ऐजेंटों के सोहबत में फंसकर वह जुआ खेलने लगा। युवक को जुंआ खेलने की ऐसी लत लगी कि वह उससे उबर नहीं पाया और सबकुछ बर्बाद करता चला गया। जुआ खेलने के कारण युवक का कारोबार बुरी तरह से प्रभावित हो गया। धीरे–धीरे उसके आर्थिक हालात भी बिगड़ गए। इसका असर दाम्पत्य जीवन पर भी पड़ा। घर की खुशहाली छिन गई।

युवक अब अपनी पत्नी पर ससुराल से रुपये लाने का दबाव बनाने लगा। मना करने पर पति अपनी पत्नी को बुरी तरह से मारता पीटता था। पैसे लाने को लेकर युवक ने पत्नी पर रोज उत्पीड़न शुरू कर दिया। एक अगस्त की रात युवक ने पत्नी को निर्वस्त्र कर बेरहमी से पिटाई की। जिसके चलते वह गंभीर रूप से घायल हो गई। इतना ही नहीं जान से मारने की धमकी दे शीशे के टुकड़े से गला रेंतने की कोशिश की। महिला के शोर पर आसपास के घरों की महिलाओं ने उसकी जान बचाई। इसके बाद पीड़िता मायके आ गई। उसने पति पर क्रूरता, जानबूझकर चोट पहुंचाने, अपमानित करने व दहेज प्रतिषेध अधिनियम में केस दर्ज कराया गया है।

प्राण प्रतिष्ठा के बाद पहली बार चंद्र ग्रहण के कारण बंद हुए रामलला के कपाट

सोमवार को ब्रह्म मुहूर्त में अभिषेक के बाद पुनः दर्शन पूजन कर सकेंगे श्रद्धालु

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। श्री राम लला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद पहली बार चंद्र ग्रहण के कारण भक्तों के लिए बंद हुए कपाट। प्राण प्रतिष्ठा के बाद भारत में दिखने वाला यह पहला चंद्र ग्रहण रविवार की रात्रि 9.57 पर लगेगा लेकिन सूतक 9 घंटे पहले लग गया और जैसे ही 12:57 बजे श्री राम जन्मभूमि में रामलला, राम दरबार सहित परिसर में उपस्थित सभी मंदिरों के साथ–साथ कनक भवन, दशरथ महल, हनुमानगढ़ी सहित अयोध्या के सभी मंदिरों के कपाट बंद कर दिए गए और अब श्रद्धालु सोमवार की सुबह ब्रह्म मुहूर्त में भगवान का सरजू जल से अभिषेक होगा उसके बाद श्रद्धालु पुणे दर्शन कर सकेंगे।

राम मंदिर का दरबार भक्तों के लिए आज दोपहर 12रू57 बजे से पहले ही बंद कर दिया गया है और दर्शन मार्ग पर श्रद्धालुओं से अपील की जा रही है कि चंद्र ग्रहण की वजह से आज दर्शन नहीं हो पाएंगे। राम मंदिर ट्रस्ट के सदस्य डॉक्टर अनिल मिश्रा ने बताया कि चंद्र ग्रहण लगने से 9 घंटे पहले मंदिर बंद कर दिया गया है। अब अगले दिन सुबह 4 बजे भगवान का स्नान कराया जाएगा, मंगला आरती की जाएगी और उसके बाद भक्तों के लिए प्रभु राम का दरबार खोल दिया जाएगा। इस दौरान भक्त जहां हैं वहीं महामृत्युंजय मंत्र के साथ अनेक दिव्य मंत्र का जाप करें, ऐसा करने से नकारात्मक शक्तियां दूर होंगी।

हनुमानगढ़ी गद्दी नशीन महंत प्रेमदास महाराज के शिष्य डांस महेश दास महाराज ने बताया कि ग्रहण की वजह से हनुमानगढ़ी मंदिर का पट बंद हो चुका है ।12रू57 बजे से ही मंदिर को बंद कर दिया गया है। श्रद्धालुओं से अपील की जा रही है कि ग्रहण की वजह से मंदिर आज बंद रहेगा। ग्रहण 1:30 बजे समाप्त होगा, उसके बाद सिद्ध पीठ हनुमानगढ़ी मंदिर को 2रू30 बजे खोला जाएगा। पुजारी हनुमान जी महाराज का श्रृंगार करेंगे, आरती करेंगे और उसके बाद श्रद्धालुओं के लिए हनुमान जी महाराज का दरबार खोल दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि सूतक काल में हवन यज्ञ के साथ मंत्र का जाप किया जाता है ताकि नकारात्मक शक्तियां दूर होती है।

परीक्षा केंद्र से आधा घंटा पहले ही निकल गया पेट का अभ्यर्थी, दो कक्ष निरीक्षकों समेत तीन पर मुकदमा

संवाददाता–देवरिया। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की प्रारंभिक अहर्ता परीक्षा (पेट) में समय से पूर्व ओएमआर जमा कर एक अभ्यर्थी तबीयत खराब होने का बहाना बना कर प्रश्नपत्र के साथ परीक्षा केंद्र से बाहर निकल गया। यह घटना देवरिया जिले के रामपुर कारखाना क्षेत्र स्थित अशोक इंटरमीडिएट कॉलेज डुमरी में शनिवार को द्वितीय पाली की परीक्षा के दौरान हुई। इस मामले में केंद्र व्यवस्थापक की तहरीर पर पुलिस ने अभ्यर्थी और दो कक्ष निरीक्षकों के खिलाफ केस दर्ज किया है। परीक्षा केंद्र पर बरती गई इस लापरवाही का मामला सामने आते ही प्रशासनिक अमले में हड़कंप मच गया है।

अशोक इंटरमीडिएट कॉलेज डुमरी रामपुर कारखाना को पेट परीक्षा का केंद्र बनाया गया है। शनिवार को द्वितीय पाली की परीक्षा में प्रवीण कुमार यादव नाम का अभ्यर्थी यहां पर परीक्षा दे रहा था। परीक्षा समाप्त होने के करीब आधा घंटा पहले ही उसने अपना ओएमआर भर लिया था। प्रश्न पत्र हल करने के बाद उसने कक्ष निरीक्षक अवधेश कुमार सिंह और सुरेंद्र प्रसाद से अपनी तबीयत खराब होने की बात कही। दोनों कक्ष निरिक्षकों को झांसे में लेकर अभ्यर्थी आधा घंटा पहले ही प्रश्नपत्र के साथ परीक्षा केंद्र से बाहर निकल गया। थोड़ी देर बाद इस बात की जानकारी होते ही परीक्षा केंद्र पर हड़कंप पहुंच गया। अभ्यर्थी की केंद्र से लेकर चौराहे तक तलाश की गई, लेकिन उसका कहीं पता नहीं चला। इस मामले में देर शाम केंद्र व्यवस्थापक देवेंद्र नाथ तिवारी ने आरोपी अभ्यर्थी प्रवीण कुमार यादव और दोनों कक्ष निरीक्षकों के खिलाफ तहरीर दिया। रामपुर कारखाना पुलिस ने देर रात तीनों आरोपियों के खिलाफ उत्तर प्रदेश सार्वजनिक परीक्षा अनुचित साधन निवारण अधयादेश 2024 के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया। थानाध्यक्ष अभिषेक राय ने बताया कि एक अभ्यर्थी के परीक्षा केंद्र से समय पूर्व ही प्रश्नपत्र के साथ निकल जाने की तहरीर मिली थी। मामले में अभ्यर्थी औा दो कक्ष निरीक्षकों के खिलाफ केस दर्ज कर छानबीन की जा रही है।

200 सितंबर से श्री भागवताचार्य स्मारक सदन में प्रारंभ होगी संतों की रामलीला

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। अयोध्या में संतों की रामलीला श्री भगवताचार्य स्मारक सदन में संत श्री तुलसीदास रामलीला न्यास के तत्वावधान में 20 सितम्बर से अंतरराष्ट्रीय खजुरी ताल रामलीला मंडली द्वारा 4 अक्टूबर मंचन किया जायेगा। रामलीला में 20 सितंबर को नारद मोह, 21 अक्टूबर को राम जन्म, 22 अक्टूबर को फुलवारी, 23 अक्टूबर को धनुष यज्ञ परशुराम लक्ष्मण संवाद 24 अक्टूबर को सीताराम विवाह महोत्सव कलेवा, 2 अक्टूबर को अहिरावण वधा रावण वध ,3 अक्टूबर को भारत मिलाप और 4 अक्टूबर को श्री राम राज्याभिषेक बंदर विदाई के साथ समापन होगा। उक्त बातें समिति की कोषाध्यक्ष बड़ा भक्तमाल के महंत अवधेश कुमार दास महाराज ने बताई। उन्होंने बताया कि यह संतों की रामलीला है, फिल्मी दुनिया की नहीं इसमें सभी कार्यक्रम शास्त्रीय मर्यादा के अनुसार होगी और हम लोग प्रयास कर रहे हैं कि किसी राष्ट्रीय चौनल पर लाइव प्रसारण भी हो, जिससे पूरी दुनिया के लोग अयोध्या के संतों की रामलीला देख सके। महामंत्री महंत संजय दास महाराज ने कहा कि यह संतों की रामलीला है और इसमें सब कुछ मर्यादा के अनुसार होगा जो पात्र बनेंगे वह भी मर्यादा का पालन करेंगे और रामलीला में प्रत्येक दिन सेलिब्रिटी के रूप में हमारे संत भगवान पधारेंगे उनका भी स्वागत सम्मान होगा। जगतगुरु रामानुजाचार्य डॉ स्वामी राघवाचार्य महाराज ने बताया कि यह रामलीला संतों के द्वारा की जा रही है संत राम जी के लिए जीते हैं इसलिए इस रामलीला में शास्त्रीय मर्यादा का कहीं भी उल्लंघन नहीं होगा और रामलीला में रोचकता बढ़ाने के लिए हमारे मंदिरों के महंत भी किसी न किसी दिन किसी न किसी पात्र के रूप में नजर आएंगे। जानकी घाट बड़ा स्थान के महंत जन्मेजय शरण महाराज ने बताया कि अयोध्या प्रभु श्री राम की जन्मस्थली है यहां से जो संदेश जाता है वह पूरी दुनिया में जाता है यही कारण है कि अयोध्या में जो हो वह मर्यादा के अनुरूप हो बाहर क्या होता है इसका असर उतना नहीं होता है, हम सब का प्रयास है कि संतो के द्वारा जो रामलीला हो रही है उसके पात्र भी शास्त्रीय मर्यादा के अनुरूप रहेंगे और मर्यादा का पालन करेंगे। इस अवसर पर हनुमानगढ़ी के पुजारी श्रृंगीऋषि आश्रम महंत हेमंत दास उपस्थित रहे। सभी अतिथियों का स्वागत सम्मान शिवम श्रीवास्तव ने किया।

शिक्षित व्यक्ति को कभी भय नहीं लगता, उसे पता होता है, उसे उसकी शिक्षा से ही सुख मिलेगा -प्रो. सुषमा यादव

संवाददाता—गोरखपुर। युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ की 56 वीं एवं राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की 11वीं पुण्यतिथि पर सप्तदिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। इसके तीसरे दिन, रविवार को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 विकसित भारत की आधारशिला विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया।

मुख्य वक्ता भगतफूल सिंह महिला विश्वविद्यालय सोनीपत हरियाणा की पूर्व कुलपति प्रो सुषमा यादव ने कहा कि यह शिक्षा नीति शिक्षा और दीक्षा के अंतर को कम करने वाली नीति है। इस नीति में शिक्षा और दीक्षा दोनों की प्रक्रिया को विकसित करने का प्रयास किया गया है। शिक्षित व्यक्ति को कभी भय नहीं होता क्योंकि वह जहां जाएगा अपनी शिक्षा से सुख प्राप्त करेगा। यह नीति सभी प्रकार के बंधनों से मुक्त शिक्षा देने की नीति है। शिक्षा का उद्देश्य हर व्यक्ति में दिव्य ज्योति जलाना व विलक्षणता को प्रकट करना है। इस नीति में स्कूलशिक्षा के बाद महाविद्यालयी शिक्षा , उसके बाद विश्वविद्यालयी शिक्षा में परिवर्तन करने पर विचार हुआ है। हर नागरिक के लिए अच्छा जीवन स्तर के साथ देश की अर्थ व्यवस्था को मजबूत करने पर बल दिया गया है।भारत विकसित बनना चाहता है, लेकिन पर्यावरण के संतुलन के साथ। यह भारत की ही संस्कृति है कि पर्यावरण का उपयोग त्याग की भावना से किया जाता है। समाज का हर वर्ग समाज से समान रूप से जुड़ा महसूस करे ऐसी शिक्षा की बात इस शिक्षा नीति में की गई है। मुख्य वक्ता ने कहा कि शिक्षा ज्ञानमयी, रसमयी व कर्तव्यमयी इन तीन प्रकार की होनी चाहिए।

इस नीति के माध्यम से पहली बार प्री स्कूलिंग की बात की गई है। मातृभाषा में शिक्षा पर बल देने के साथ ही मानविकी शिक्षा को बढ़ावा देकर एक ऐसा मानव निर्माण करना है जो साहित्य, संगीत और कला से भी युक्त होकर पूर्ण मानव बन सकें। इस नीति में स्नातक स्तर से ही शोध करने तथा उच्च गुणवत्ता युक्त शोध के लिए विशेष अनुदान देने का प्रावधान भी किया गया है। शिक्षा के अंतर्राष्ट्रीयता के लिए इस नीति में प्रस्ताव रखा गया है।यह नीति मानव मन के अनुरूप नवाचारों, सृजनात्मकता, तथा रचनात्मकता को बढ़ावा देने की नीति है। इसलिए कहा जा सकता है कि यह नीति निश्चित ही विकसित भारत की आधारशिला है।

विशिष्ट वक्ता दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, प्राणी विज्ञान के पूर्व अध्यक्ष प्रो डी के सिंह ने कहा कि तेजी से बदलती आवश्यकताओं के अनुरूप यह राष्ट्रीय शिक्षा नीति है। छात्रों को डिजिटल शिक्षा के साथ—साथ भारतीय भाषाओं में भारतीय ज्ञान परंपरा की शिक्षा इस नीति का केंद्र बिन्दु है। यह नीति भारत की आत्मा की पुकार है। इसके पीछे हमारे गुरुकुल शिक्षा परंपरा का विस्तार है। इसमें गुरुकुल परंपरा के पांच कोशों के विकास की बात कही गई है। हमारी पौराणिक शिशा नीति में भौतिक विकास के साथ आध्यात्मिक विकास पर बल दिया जाता था, इसी के अनुरूप इस शिक्षा नीति को भी तैयार किया गया है। इस नीति में पर्यावरण को सुरक्षित रखने पर भी बल दिया गया है। पर्यावरण आधारित शिक्षा को देने के साथ साथ कृषि क्षेत्र में भी अधिक शोध पर विशेष बल दिया गया है। अयोध्याधाम से पधारे स्वामी बालभरत दास जी महाराज ने कहा कि इस शिक्षा नीति में हमारी उस प्राचीन भारतीय शिक्षा को अपनाया गया है, जहां शस्त्र और शास्त्र दोनों की समान शिक्षा दी जाती है। यह नीति केवल पेट भरने की ही नहीं अपितु मानव को पूर्ण मानव बनने के नीति है। कामदगिरि पीठ, चित्रकूट धाम से पधारे महंत श्री शशिभूषणदास जी महाराज ने कहा कि मानव जीवन में शिक्षा का बहुत महत्व है। हमारे मनीषियों ने उस विद्या की बात की जो मुक्ति प्रदान करे, ऐसी शिक्षा नीति जो नियुक्ति तथा विमुक्ति दोनों को दिलाने का सामर्थ्य रखती हो।

नई शिक्षा नीति भी इस तरह का कार्य कर रही है। अनादि काल से विश्व भारत को देखते आ रहा है। यह हमारी संस्कृति और शिक्षा नीति के कारण से ही सम्भव हो सका। विषय प्रवर्तन करते हुए जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय नई दिल्ली, संस्कृत विभाग के प्रो संतोष शुक्ल जी ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा के अनुरूप यह राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 है जो पूर्ण रूप से भारतीय विरासत पर आधारित है। इस नीति का पहला लक्ष्य समावेशी शिक्षा पर जोर देना है । इस नीति का दूसरा लक्ष्य भारतीयों को आत्म निर्भर बनाना है, तथा तीसरा लक्ष्य प्राथमिक शिक्षा से उच्च शिक्षा तक का माध्यम भारतीय भाषा को बनाना है। यह नीति बहुविषयी पाठ्यक्रम तथा बहुविषयी संस्थानों के निर्माण की बात करती है। भारत को स्वस्थ, समृद्ध व विकसित बनाने के लिए इसमें छात्रों के सर्वांगीण विकास पर बल दिया गया है। अध्यक्षता श्री गोरक्षनाथ मंदिर के प्रधान पुजारी योगी कमलनाथ जी महाराज, स्वागत भाषण महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के उपाध्यक्ष राजेश मोहन सरकार, वैदिक मंगलाचरण डॉ रंगनाथ त्रिपाठी, गोरक्षाष्टक पाठ आदित्य पांडेय तथा संचालन डॉ श्रीभगवान सिंह ने किया। कार्यक्रम में काशी से पधारे जगद्गुरु श्री विष्णुस्वामी संप्रदायाचार्य संतोषाचार्य सतुआ बाबा महाराज, महंत रामलखन दास, महंत राममिलन दास, बड़ौदा से महंत गंगादास, सच्चाबाबा आश्रम अरैल से आचार्य शिवप्रकाश, देवीपाटन महंत मिथिलेशनाथ प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

युवक ने गाली का जताया विरोध, मनबढ़ों ने धारदार हथियार से कर दी हत्या

संवाददाता—गोरखपुर। चिलुआताल थाना क्षेत्र के ग्राम बरगदवा निवासी एक युवक पर पुरानी रंजिश को लेकर मनबढ़ युवकों ने धारदार हथियार से जानलेवा हमला कर दिया। इलाज के दौरान मेडिकल कालेज में देर रात युवक की मौत हो गई। मृतक के भाई अशोक चौहान पुत्र लालू चौहान की तहरीर पर एक नामजद सहित दो अज्ञात के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश की जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार, बरगदवा निवासी राहुल चौहान (27) पुत्र लालू चौहान शनिवार की शाम लगभग 8 बजे के आसपास बरगदवा चौराहे से घर की तरफ जा रहा था। रास्ते में अभी एक मेडिकल स्टोर की दुकान के पास पहुंचा ही था कि पुरानी रंजिश को लेकर दीपू उर्फ संदीप चौहान अपने दो अज्ञात साथियों के साथ उसे घेरकर रोक लिया।

आरोप है कि इस दौरान उन युवकों ने राहुल को घेर कर धमकी देने के साथ उसे अभद्र गाली देकर धमकी देने लगे। इस दौरान राहुल ने उनसे गाली देने पर एतराज जताया। इसी बीच आरोपी दीपू के साथ मौजूद अन्य लोगों ने राहुल पर ताबड़तोड़ धारदार हथियार से कई वार कर उसे लहूलुहान कर दिया। इस दौरान राहुल ने भागने का प्रयास किया और दौड़कर थोड़ी दूर भागा भी। लेकिन, थोड़ी दूर जाने के बाद वह जमीन पर गिर गया। आस—पास के लोगों ने इसकी सूचना परिवार के लोगों को दी। मौके पर पहुंचे परिजन राहुल को लेकर मेडिकल कालेज पहुंचे और इलाज के लिए भर्ती कराया। देर रात राहुल की मौत हो गई। मौत की सूचना से आक्रोशित रविवार को भोर लगभग 5 बजे के आस पास दर्जनों महिलाएं रोड जाम करने की नियत से बरगदवा चौराहा पहुच गई, जिन्हें बाद में पुलिस ने समझा कर शांत करवाया। बताया जाता है कि इस विवाद में एक आरोपी का हाथ भी घायल हुआ है। पुलिस मेडिकल कॉलेज में उसका उपचार करवा रही है।

18 अनुदेशकों को मिला नियुक्ति पत्र

संवाददाता—संतकबीरनगर। रविवार को खलीलाबाद के कलेक्ट्रेट सभागार में इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया गया। जिले के 20 चयनित अनुदेशकों में से 18 को स्थानीय विधायकों और जिलाधिकारी ने नियुक्ति पत्र सौंपे। इस मौके पर खलीलाबाद के विधायक अंकुर राज तिवारी, मेहदावल के विधायक अनिल कुमार त्रिपाठी और धनघटा के विधायक गणेश चंद्र चौहान मौजूद रहे। जिलाधिकारी आलोक कुमार और मुख्य विकास अधिकारी जयकेश त्रिपाठी ने नव नियुक्त अनुदेशकों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने अनुदेशकों से अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करने की अपेक्षा की। कार्यक्रम में आईटीआई मेहदावल, खलीलाबाद और हैंसर के प्रधानाचार्य समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। जिलाधिकारी आलोक कुमार ने बताया कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ स्थित लोक भवन ऑडिटोरियम में नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस दौरान उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा चयनित 1510 अनुदेशकों में से 407 को नियुक्ति पत्र दिए गए।

पन्द्रह हजार नकदी समेत एक लाख रुपये के जेवरात चोरी

संवाददाता—संतकबीरनगर। जिले के धनघटा थाना क्षेत्र के शिवापार गांव में शनिवार की रात एक घर में छत के रास्ते से घुसे चोर पन्द्रह हजार रुपये नगद व लगभग एक लाख रुपये के जेवरात उठा ले गए। पीड़ित परिवार घर के बरामदे में सो रहे थे। सूचना पर फोरेंसिक टीम के साथ पहुंचे पुलिस के अधिकारी मामले की छानबीन कर जानकारी ली। जानकारी के अनुसार स्थानीय थाना क्षेत्र के शिवापार गांव निवासी रामदास ने बाताया कि परिवार के सदस्य भोजन कर प्रतिदिन भाति गांव में स्थित दूसरे मकान में सोने चले गए। पहले वाले घर पर बहू अपने दो बच्चों को लेकर बरामदे में सो गई।

सुबह उठी तो कमरे में सामान बिखरा देख अवाक रह गई और चिल्लाने लगे। शोर सुन कर दूसरे मकान पर सो रहे घर के लोग और आस—पास के तमाम लोग इकट्ठा हो गए। पीड़ित गृहस्वामी रामदास ने बताया कि चोर पन्द्रह हजार रुपये नकद और लगभग एक लाख रुपए के चार थान जेवरात उठा ले गए। इस घटना से गांव में दहशत का माहौल व्याप्त है। चोरी की सूचना पाकर मौके पर पहुंचे क्षेत्राधिकारी प्रियम राज शेखर, थाना प्रभारी जयप्रकाश दूबे, एसआई अनिल राय, हमराही सिपाही व फोरेंसिक टीम ने घटना की जांच की जांच की

आकाशीय बिजली गिरने से किसान की मौत

संवाददाता—सिद्धार्थनगर। मिश्रौलिया थाना क्षेत्र में रविवार दोपहर मिठौवा टोला मस्जिद डीह में दोपहर 2:30 बजे आकाशीय बिजली गिरने से किसान रफीक की मौत हो गई। रफीक अपने धान के खेत में मेड़ बांधने का काम कर रहा था। तेज बारिश के दौरान खेत से पानी बाहर न जाए, इसलिए वह मेड़ की मरम्मत में जुटा था। इसी दौरान आसमान से गिरी बिजली ने उसे अपनी चपेट में ले लिया। मौके पर ही उसकी मृत्यु हो गई। मृतक के परिवार में पत्नी और तीन छोटे बच्चे हैं। बच्चों की उम्र 10, 7 और 2 साल है। रफीक छह महीने पहले तक दिल्ली में मजदूरी करता था। वापस लौटने के बाद वह सेटरिंग मिस्त्री के रूप में दिहाड़ी मजदूरी कर रहा था। उसकी कमाई से ही घर का खर्च चलता था। परिवार में बुजुर्ग पिता गुलाब भी हैं। घटना की सूचना मिलते ही परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंचे। बारिश से भीगे शव को घर लाया गया। पूरे गांव में शोक की लहर है। पत्नी बार—बार बेहोश हो रही हैं। मासूम बच्चे पिता के शव के पास रो रहे हैं। वृद्ध पिता सदमे में हैं। इस हादसे ने एक परिवार की आर्थिक कमर तोड़ दी है। रफीक अपने परिवार का एकमात्र सहारा था। अब परिवार के सामने भरण—पोषण की चुनौती खड़ी हो गई है।

सपाईयों ने मनाई केदारनाथ सिंह सैंथवार की जयंती

संवाददाता—गोरखपुर। समाजवादी पार्टी ने पूर्व विधायक केदारनाथ सिंह सैंथवार की जयंती पर उन्हें याद किया। उनके परिवार के साथ एकजुटता दिखाई। रविवार को बेतियाहाता स्थित समाजवादी पार्टी कार्यालय में कार्यक्रम का आयोजन हुआ। जिलाध्यक्ष ब्रजेश कुमार गौतम ने इस कार्यक्रम की अध्यक्षता की। इस दौरान पार्टी की जिला ईकाई ने बैठक भी की। इस दौरान मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने व गलत नाम कटवाने पर चर्चा हुई। संचालन जिला महासचिव रामनाथ यादव ने किया। इसमें मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने व गलत नाम कटवाने पर चर्चा हुई। इस दौरान पूर्व जिलाध्यक्ष अवधेश यादव, नगीना प्रसाद साहनी, पूर्व विधायक विनय शंकर तिवारी, मिर्जा कदीर बेग, देवेंद्र भुषण निषाद, रामजतन यादव, गिरीश यादव, शिव कुमार दुबे, अजय कन्नौजिया, रवि प्रताप यादव, अखिलेश यादव मौजूद रहे।

25 अनुदेशकों को मिला नियुक्ति पत्रः डीएम बोले– युवाओं को बेहतर कौशल प्रशिक्षण दें, रोजगार के बढ़ेंगे अवसर

संवाददाता—सिद्धार्थनगर। उत्तर प्रदेश में युवाओं को रोजगार देने की कड़ी में एक नया अध्याय जुड़ा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को लखनऊ के लोक भवन सभागार में 1510 अनुदेशकों को नियुक्ति पत्र सौंपे। इनमें सिद्धार्थनगर के 25 अनुदेशक भी शामिल हैं। कार्यक्रम का सीधा प्रसारण सिद्धार्थनगर के अम्बेडकर सभागार में किया गया। इस दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष कन्हैया पासवान और जिलाधिकारी डॉ. राजा गणपति आर. मौजूद रहे। आईटीआई की छात्राओं ने स्वागत गीत से कार्यक्रम की शुरुआत की। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग ने पारदर्शी तरीके से यह भर्ती की है। ये नियुक्तियां व्यवसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमिता विकास विभाग में की गई हैं। जिलाधिकारी ने नवनियुक्त अनुदेशकों से कहा कि वे युवाओं को बेहतर कौशल प्रशिक्षण दें। इससे जिले में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। भाजपा जिलाध्यक्ष ने कहा कि योगी सरकार में भर्तियां पारदर्शी तरीके से हो रही हैं। इससे मेहनती छात्रों को मौका मिल रहा है। उन्होंने कहा कि ये नियुक्तियां युवाओं के भविष्य को मजबूत बनाएंगी।

ब्रज लोकगीत उत्सव का समापन

संवाददाता—संतकबीरनगर। मगहर में कबीर चौरा स्थित सत्संग भवन में रविवार को दो दिवसीय ब्रज लोकगीत उत्सव का समापन हुआ। संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशन में एकलव्य चेरिटेबल एवं एजुकेशनल ट्रस्ट ने इस कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि महंत विचारदास और विशिष्ट अतिथि डॉ. सुधांशु अरुणाभ मिश्र ने दीप प्रज्वलित कर की। महंत विचारदास ने कहा कि संगीत दिलों को छूने वाला माध्यम है और लोकगीत हमारी धरोहर है। डॉ. मिश्र ने ब्रज की लोकपरंपरा को भारत की सांस्कृतिक आत्मा बताया।

मुख्य ट्रस्टी गौरव निषाद ने बताया कि उत्सव का उद्देश्य लोककला को संरक्षण और राष्ट्रीय पहचान दिलाना है। कार्यक्रम में बाल कलाकार रिया और विशाखा ने ष्बांसुरी बन केष और ष्कान्हा तुझको मजा चखाऊंष गीत प्रस्तुत किए। अंशू, आंचल, विशाखा समेत कई बच्चों ने ब्रज की होली का मंचन किया। लोक कलाकार सूर्यभान, अब्दुल कलाम, रुआब अली, मोहम्मद खलील, मेहंदी हसन और तबरक हुसैन ने भी अपनी प्रस्तुतियां दीं।

कोर्ट के आदेश पर नौ महीने बाद आठ के खिलाफ हत्या का केस

संवाददाता—गोरखपुर। गुलरिहा बाजार नहर के पास स्थित एक फल की दुकान के सामने खड़ी मैजिक में 22 दिसंबर 2024 को गाड़ी ड्राइवर का शव डिग्गी में संदिग्ध अवस्था में मिला था। मृतक की पत्नी का आरोप है कि दो पहिया वाहन में मैजिक से ठोकर लगने पर बाइक मालिक व कुछ लोगों के मारने पीटने से पति की मौके पर ही मौत हो गई थी। पीड़िता स्थानीय लोगों के प्रभाव में मुकदमा नहीं लिखे जाने का आरोप लगाते हुए न्यायालय की शरण ली है। कोर्ट के आदेश पर गुलरिहा पुलिस तीन नामजद समेत आठ के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर लिया है। जानकारी के मुताबिक क्षेत्र के सराय गुलरिहा निवासी मनोज 41 वर्ष पुत्र स्व रामप्यारे पिछले बीस वर्षों से गाड़ी चलाकर परिवार का भरण पोषण करता था। पत्नी सिब्बी देवी का आरोप है कि 21 दिसंबर 2024 की शाम साढ़े छह बजे उसके पति मनोज कुमार अपनी मैजिक गाड़ी लेकर महराजगंज जा रहे थे। गुलरिहा बाजार नहर के पास एक मोटरसाइकिल को बचाने के प्रयास में गाड़ी अनियंत्रित होकर रोड किनारे खड़ी दूसरे दो पहिया वाहन में ठोकर लग गई थी। इस पर दो पहिया मालिक सुमीत, सुजीत, आलोक और चार से पांच अज्ञात मिलकर मैजिक चालक को गाड़ी से खींचकर बुरी तरह मारने पीटने लगे। इससे महिला के पति मनोज की मौके पर मौत हो गई। अगले दिन चालक का शव गाड़ी की डिग्गी में संदिग्ध अवस्था में मिला था। घटना की पूरी वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद है। यह भी आरोप है कि गुलरिहा पुलिस समेत वरिष्ठ अधिकारियों ने मामले में कोई कार्यवाही नहीं की, जिसके बाद पीड़िता न्यायालय का शरण ली।

एक पल लगा कि पापा मुझे ही न मार दें, मैं सहम गई, बाप के अफेयर पर चश्मदीद बेटी का चौंकाने वाला खुलासा

संवाददाता—गोरखपुर। पापा के खुद कई कई लड़कियों से अफेयर थे लेकिन वह मम्मी पर शक करते थे। इस बात को लेकर उनके बीच लड़ाई भी होती रहती थी। मम्मी बहुत अच्छी थीं। मेरी खुशी के लिए वह दिन—रात मेहनत करती थीं। हर ख्वाहिश पूरी करती थीं। कभी नहीं सोचा था कि पापा मेरी खुशियां छीन लेंगे। शनिवार को खजनी क्षेत्र के पुरैनी कटया गांव स्थित ममता के मायके में मुखाग्नि देने के बाद बेटी मुक्ति मामा संदीप से लिपटकर रो पड़ी। मामा ने किसी तरह से उसे संभाला। शाहपुर इलाके के गीता वाटिका के पास बुधवार शाम विवाद के बाद आरोपी पति विश्वकर्मा चौहान ने पिस्टल से गोली मारकर ममता की हत्या कर दी थी। इस मामले में बेटी मुक्ति चश्मदीद है। मुक्ति ने पुलिस और अपने मामा संदीप को बताया कि बुधवार शाम वह मां के साथ स्कूटी से सामान लेने गई थी। ममता ने गीता वाटिका के पास एक फोटो स्टूडियो पर स्कूटी रोकी। इसके बाद बेटी के साथ पड़ोस की दुकान में राशन लेने चली गई। मुक्ति को वहां रोकने के बाद खुद फोटो लेने की बात कहकर ममता स्टूडियो में चली गई। कुछ देर बाद जब वह मां के पास जा रही थी तो देखा कि उसके पिता विश्वकर्मा फोटो स्टूडियो के बाहर खड़े थे। मुक्ति ने बताया कि पहले तो उसे लगा कि वह सामान्य बातचीत करने के लिए मां के पास आए हैं लेकिन कुछ देर बाद दोनों में धक्का—मुक्की शुरू हो गई। पहले पापा नीचे गिर गए। वापस उठने के बाद उन्होंने मम्मी को धक्का दे दिया। मम्मी के नीचे गिरते ही उन्होंने पिस्टल निकालकर मां पर गोली चला दी। मुक्ति ने बताया कि उसकी आंखों के सामने मम्मी जमीन पर गिर गई थीं। खून से लथपथ थीं, तड़प रही थीं। मैंने नजरें उठाकर पापा की तरफ देखा तो वह वहीं पर मम्मी को तड़पते देख रहे थे। एक पल लगा कि पापा उसे भी न गोली न मार दें। थोड़ी देर सहम कर वहीं ठहर गई, तब तक लोगों की भीड़ लग गई। सब लोग जल्दी—जल्दी मम्मी को हॉस्पिटल लेकर गए। वह भी उनके साथ थी। डॉक्टर ने देखने के बाद कहा—अब तुम्हारी मम्मी नहीं रहीं। संदीप ने बताया कि ममता की अंतिम संस्कार की सारी रस्म भांजी मुक्ति ने ही निभाई है। भांजी अब उनकी जिम्मेदारी है। वह उसे अपने साथ रखेंगे। हमें डर है कि अगर विश्वकर्मा जेल से छूट गया तो कहीं मुक्ति को भी नुकसान पहुंचा सकता है। ऐसा इसलिए कि वही इस पूरी वारदात की चश्मदीद गवाह और केस की वादी है। गोरखपुर के शाहपुर इलाके के गीता वाटिका के पास बुधवार शाम विवाद के बाद पति ने पिस्टल से ताबड़तोड़ गोली मारकर पत्नी की हत्या कर दी। वारदात उस वक्त हुआ जब पत्नी राधिका स्टूडियो से फोटो लेकर बाहर निकली थी। गोली महिला के सीने और हाथ में लगी। सूचना पर पहुंची पुलिस महिला को पास में स्थित एक निजी अस्पताल में ले गई जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस आरोपी पति को मौके से गिरफ्तार कर लिया। खजनी के सुरैनी कटाया निवासी ममता चौहान (30) की शादी वर्ष 2008 में गुलरिया के हरसेवकपुर नंबर 2 चौहान टोला निवासी विश्वकर्मा चौहान से हुई थी।

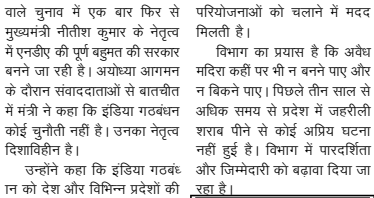

नीतीश के नेतृत्व में बिहार में बनेगी पूर्ण बहुमत की एनडीए सरकार, इंडिया गठबंधन दिशाविहीन

संवाददाता—अयोध्या। उत्तर प्रदेश के आबकारी मंत्री नितिन अग्रवाल ने कहा है कि बिहार में होने वाले चुनाव में एक बार फिर से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए की पूर्ण बहुमत की सरकार बनने जा रही है। अयोध्या आगमन के दौरान संवाददाताओं से बातचीत में मंत्री ने कहा कि इंडिया गठबंधन कोई चुनौती नहीं है। उनका नेतृत्व दिशाविहीन है।

उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन को देश और विभिन्न प्रदेशों की जनता ने लगातार अस्वीकार किया है। इसके बावजूद इंडिया गठबंधन अपने नेतृत्व के परिवर्तन पर विचार नहीं कर रहा। एक सवाल के जवाब में अग्रवाल ने कहा कि पीडीए का नारा देने वाले अपनी सरकार में परिवारवाद, दंगावाद और आतंकवाद की दिशा में काम करते थे। तब पीडीए की यही परिभाषा थी। आज पीडीए का नारा देकर भ्रमित करने का प्रयास कर रहे हैं। इन पर जनता बिल्कुल भी भरोसा नहीं करती है। उन्होंने कहा कि आबकारी विभाग का इस साल राजस्व लक्ष्य 70,000 करोड़ रुपये है। आबकारी विभाग के लक्ष्य से ही प्रदेश के विकास की परियोजनाओं को चलाने में मदद मिलती है।

विभाग का प्रयास है कि अवैध मदिरा कहीं पर भी न बनने पाए और न बिकने पाए। पिछले तीन साल से अधिक समय से प्रदेश में जहरीली शराब पीने से कोई अप्रिय घटना नहीं हुई है। विभाग में पारदर्शिता और जिम्मेदारी को बढ़ावा दिया जा रहा है।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थी भरत कुमार डिडवानियां पुत्र श्री शंकरलाल डिडवानिया मोहल्ला नई बाजार, पुरानी बस्ती का स्थायी निवासी है। आधार कार्ड में मेरा नाम भरत डिडवानियां था। अब मैने अपना नाम भरत कुमार डिडवानियां कर लिया है। मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाय।

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील

वाद सं0—C202317000000720

अदालत— श्रीमान अपर आयुक्त (प्रशासन) बस्ती मण्डल बस्ती जिला बस्ती

त्रिभुवन
बनाम
कृष्णा आदि

1. कृष्णा पुत्र जगदेव ग्राम सेंमरा तप्पा डबरा परगना व तहसील नौगढ़ जिला सिद्धार्थनगर 2. उ0प्र0 राज्य सरकार द्वारा कलेक्टर महोदय सिद्धार्थनगर

तारीख पेशी 25—09—2025

अपील बनराजी के अदालत मुकाम

मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 25 महीना 09 सन 2025 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है। अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख 06 माह 09 सन 2025 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

न्यायालय सिविल जज (सी0डि0) सिद्धार्थनगर सिद्धार्थनगर स्थान द्वारा निकाली गयी उद्घोषणा

न्यायालय—श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) सिद्धार्थनगर जिला—सिद्धार्थनगर

प्रकीर्ण उत्तराधिकार वाद संख्या 133/2025

1. सरातुन्निशा पत्नी अबू हरेरा साकिन टोला पिपरहवॉ पोस्ट पचगवां बर्डपुर नं0—1 तप्पा घोष परगना व तहसील नौगढ़ जिला—सिद्धार्थनगर

—प्रार्थी/आवेदक
बनाम
ईस्टेट

तारीख पेशी 26—09—2025

प्रा0 पत्र अन्तर्गत धारा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम

अपने मृत को देय ऋण और प्रतिभूतियों को वसूल करने के लिये प्रमाण पत्र की अभिप्राप्ति के लिये सन 1886 ई0 के अधिनियम 7 के अधीन उत्तराधिकार का आवेदन के लिये।

चूंकि ने प्रमाण पत्र को अभिप्राप्ति के लिये आवेदन दिया है और सन 2025 के 09 के 26 दिवस आवेदन को सुनवाई के लिये नियत हुआ है। अतः यह उदघोषणा निकाली जाती है कि जिस किसी को उक्त आवेदन के सम्बन्ध में आपत्ति हो वह स्वयं या अभिवक्ता द्वारा ..10 बजे पूर्वान्ह न्यायालय सिविल जज (सी0डि0) सिद्धार्थनगर सिद्धार्थनगर में नियत दिनांक पर उप संजात होकर अपनी आपत्ति पेश करें। उक्त दिनांक के अवसान पर फिर किसी की आपत्ति न सुनी जायेगी और आवेदन के सम्बन्ध में यथोचित आदेश पारित होगा।

20 के के दिवस को दिनांकित।

द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती

संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1—4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक—**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक—**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या—फैजाबाद कार्यालय—
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या—फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय—
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय—
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल **bhartiyabasti@gmail.com**
dainikbhartiyabasti@gmail.com